दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 246 | ग्वालियर शनिवार 12 सितम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

पोहरी में विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण समारोह आयोजित

कोई भी गरीब भूखा नहीं रहेगा, सभी को मिलेगा राशन - मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए दृढ़ संकल्पित है। कोई भी गरीब भूखा नहीं रहेगा। हर गरीब को राशन दिया जाएगा। गरीब परिवारों के बच्चों के लिए शिक्षा की व्यवस्था हो या संबल योजना के तहत जरूरतमंदों की सहायता कर उन्हें संबल प्रदान करना, प्रदेश सरकार तत्परता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान शुक्रवार को शिवपुरी जिले के पोहरी में आयोजित हुए विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि, पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर तथा राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रदेश के गृहमंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा के साथ लगभग 300 करोड़ रूपए लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। पोहरी में शुक्रवार को आयोजित हुए इस समारोह में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार हर गरीब को ढूंढ-ढूंढ़कर खाद्यान्न पर्चियाँ देगी और उन्हें एक रूपए प्रतिकिलो की दर से राशन मुहैया करायेगी। इसके लिये आगामी 16 सितम्बर को महाअभियान शुरू होगा। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद जिला कलेक्टर को निर्देश दिए कि जिले में कोई भी गरीब पात्रता पर्ची से वंचित नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार कर्जमाफी पर भी किसानों को न्याय देगी। साथ ही सरकार ने किसान व गरीबों के कल्याण के लिये बनी संबल योजना को फिर से चालू करने का फैसला भी लिया है। इसी तरह आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों की उच्च शिक्षा में मदद के लिये शुरू की गई योजनायें भी सरकार ने चालू कर दी हैं। सरकार गरीबों के बच्चों की आईआईटी, आईआईएम व मेडीकल इत्यादि संस्थानों की फीस भरेगी। उन्होंने कहा कि जल्द ही भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी। युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराए जाएंगे। कार्यक्रम में युवाओं द्वारा उठाए गए ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आश्वासन दिया है कि सभी के साथ न्याय किया जाएगा। सरकार इस पर उचित निर्णय लेगी केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने इस अवसर पर कहा कि सरकुला नदी पर डैम का शिलान्यास किया गया है अब यह योजना मूर्त रूप ले रही है। इससे क्षेत्र की जनता को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जिस प्रकार कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए काम कर रही है। वह सराहनीय है। राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा की पोहरी की जनता मेरे परिवार के सामान है। पोहरी के विकास के लिए आज विकास कार्यों का भू पूजन और लोकार्पण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों की सौगातें देकर पोहरी क्षेत्र के विकास के लिये नए दरवाजे खोले हैं। आगे भी इसी प्रकार निरंतर विकास के लिए काम किया जाएगा। कमजोर वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने शिवपुरी जिले के पोहरी विकासखंड में 226 करोड़ रुपए की लागत से सरकुला नदी पर बनने वाले डैम का भूमि पूजन किया। इस डैम के बनने से पोहरी क्षेत्र के लगभग 28 गांव सिंचाई सुविधाओं से लाभान्वित होंगे और लोगों को पेयजल की सुविधा मिलेगी। भूमिपूजन कार्यक्रम में उनके साथ केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रदेश के गृहमंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा, सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और लोक निर्माण राज्यमंत्री श्री सुरेश धाकड़ भी मौजूद थे। इसके साथ ही लगभग 303 करोड़ रुपए की लागत के विकास कार्य का भूमि पूजन और लगभग 14 करोड की राशि से निर्मित विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। सिंगल क्लिक के माध्यम से सहरिया महिलाओं के खाते में पहुंचाई राशि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से सहरिया महिलाओं के खाते में राशि पहुंचाई गई। इस प्रकार कुल 50 हजार 400 सहरिया महिलाओं के खाते में लगभग 40 करोड की राशि पहुंचाई गई। पोहरी में आयोजित हुए विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह में केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रदेश के गृहमंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा, सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, राज्यमंत्री लोक निर्माण विभाग श्री सुरेश धाकड़, पूर्व विधायक श्री प्रहलाद भारती, पूर्व विधायक श्री महेंद्र यादव, श्री सीताराम आदिवासी, जिला अध्यक्ष श्री राजू बाथम, श्री हरवीर रघुवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण और कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक, राजेश सिंह चंदेल भी उपस्थित थे।

भारत-चीन ने गतिरोध दूर करने के लिए 5 सूत्री खाके पर जताई सहमति

नई दिल्ली। भारत-चीन सीमा पर कई महीनों से जारी गतिरोध के दौरान, रूस के मॉस्को में विदेश मंत्री एस जयशंकरऔर उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच बातचीत हुई है. करीब दो घंटे चली इस बातचीत के दौरान जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में हाल की घटनाओं पर भारत की चिंता जाहिर की. इसके साथ ही उन्होंने कई मौकों पर चीनी सैनिकों के भड़काऊ व्यवहार का मुद्दा भी उठाया. बैठक में, भारतीय पक्ष ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर इक्विपमेंट के साथ भारी संख्या में चीनी सैनिकों के जुटने को लेकर अपनी चिंता को रेखांकित किया है. इतनी बड़ी संख्या में सैनिकों का जमा होना 1993 और 1996 के समझौतों के अनुरूप नहीं था और इससे एलएसी पर फ्लैश प्वाइंट्स बन गए. चीनी पक्ष ने इस तैनाती के लिए कोई विश्वसनीय स्पष्टीकरण नहीं दिया है विदेश मंत्री ने चीनी पक्ष को बताया, जबकि भारतीय पक्ष ने माना कि सीमा के मुद्दे के समाधान के लिए वक्त और कोशिश की जरूरत है, यह भी स्पष्ट है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति का बरकरार रहना संबंधों के आगे विकास के लिए जरूरी है. हालांकि पूर्वी लद्दाख में हाल ही में हुई घटनाओं ने द्विपक्षीय संबंधों के विकास को साफ तौर पर प्रभावित किया है. इसलिए, मौजूदा स्थिति का एक तात्कालिक समाधान दोनों राष्ट्रों के हित में है. बातचीत के बाद दोनों पक्ष पांच सूत्री सहमति पर पहुंचे, जिसमें शांति बरकरार रखने, बातचीत करने और सेनाओं के पीछे हटने पर जोर दिया गया. भारत और चीन की तरफ से जारी एक संयुक्त बयान के मुताबिक, दोनों मंत्रियों ने सहमति व्यक्त की कि दोनों पक्षों को भारत-चीन संबंधों को विकसित करने पर नेताओं की आम सहमति की सीरीज से मार्गदर्शन लेना चाहिए, मतभेदों को विवाद में नहीं बदलने देना चाहिए. उन्होंने इस बात पर भी सहमति व्यक्त की कि सीमावर्ती क्षेत्रों में मौजूदा स्थिति किसी भी पक्ष के हित में नहीं है. वे इस बात पर भी सहमत हुए कि दोनों पक्षों के सीमा सैनिकों को अपनी बातचीत जारी रखनी चाहिए, जल्दी से पीछे हटना चाहिए, उचित दूरी बनाए रखनी चाहिए और तनाव कम करना चाहिए. दोनों मंत्रियों ने इसे लेकर भी सहमति जाहिर की कि दोनों पक्ष चीन-भारत सीमा मामलों पर सभी मौजूदा समझौतों और प्रोटोकॉल का पालन करेंगे. संयुक्त बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने भारत-चीन सीमा मामले पर विशेष प्रतिनिधि (एसआर) तंत्र के जरिए संवाद और संचार जारी रखने के लिए सहमति जताई है. बता दें कि जयशंकर और यी ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए मॉस्को का दौरा किया है.

कांग्रेस ने 15 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की

फूल सिंह बरैया को भांडेर से टिकट, तुलसी सिलावट के खिलाफ सांवेर से प्रेमचंद गुड्डू उतरेंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश में 27 सीटों पर होने वाले उपचुनावों को देखते हुए कांग्रेस ने शुक्रवार 11 सितम्बर को 15 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है. इसमें फूल सिंह बरैया को भांडेर से टिकट मिला है. वहीं, सांवेर से प्रेमचंद गुड्डू को टिकट दिया गया, जो भाजपा सरकार में मंत्री तुलसी सिलावट के सामने होंगे. बताया जा रहा है कि यह लिस्ट दिल्ली से फाइनल हुई है. पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ इसके लिए दिल्ली गए हुए थे. भाजपा ने अभी तक एक भी प्रत्याशी का ऐलान नहीं किया है. इन्हें मिली टिकटः दिमानी से रविंद्र सिंह तोमर, अंबाह सुरक्षित से सत्यप्रकाश सिकरवार, गोहद सुरक्षित से मेवाराम जाटव, ग्वालियर से सुनील शर्मा, डबरा सुरक्षित से सुरेश राजा, भांडेर से फूल सिंह बरैया, करैरा सुरक्षित से प्रागीलाल जाटव, बमोरी से कन्हैया लाल अग्रवाल, अशोक नगर सुरक्षित से आशा दोहरे, अनूपपुर से विश्वनाथ सिंह, सांची से मदनलाल चौधरी, आगर मालवा से विपिन वानखेड़े, हाटपिपल्या से राजवीर सिंह बघेल, नेपानगर से रामसिंह पटेल, सांवेर से प्रेमचंद्र गुड्डू को टिकट दी गई है.

स्वामी अग्निवेश का निधन

नई दिल्ली। लिवर सिरोसिस बीमारी के चलते स्वामी अग्निवेश का शुक्रवार 11 सितम्बर को दिल्ली में निधन हो गया. उन्होंने आज शाम 6.30 बजे अंतिम सांस ली. स्वामी को मंगलवार को आईएलबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था. हालत बिगडने् के कारण वह वेंटिलेटर पर थे. आईएलबीएस अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि शाम 6 बजे उन्हें दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद उनकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई. कल (गुरुवार) को अस्पताल प्रबंधन ने जानकारी दी थी कि मल्टी ऑर्गन फेल होने से उनकी हालत में गिरावट आई है, जिससे उनकी हालत अब काफी गंभीर बनी हुई है. स्वामी अग्निवेश की हालत को देखते हुए अलग-अलग विभागों के डॉक्टरों की एक टीम उनकी निगरानी में लगातार जुटी हुई थी. वे काफी दिनों से बीमार चल रहे थे. उन्हें लिवर से जुड़ी परेशानी होने के कारण डॉक्टरों ने प्रत्यारोपण की सलाह भी दी थी. बता दें कि स्वामी अग्निवेश सामाजिक कार्यकर्ता के साथ समाज सुधारक और राजनेता भी थे. 21 सितंबर, 1939 को जन्मे स्वामी अग्निवेश सामाजिक मुद्दों और सुधार जैसे मुद्दों पर अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए जाने जाते थे. उन्होंने 1970 में आर्य सभा नाम की राजनीतिक पार्टी बनाई थी. 1977 में वह हरियाणा विधानसभा में विधायक चुने गए और हरियाणा सरकार में शिक्षा मंत्री भी रहे.

चीन ने हमारी जमीन ले ली, क्या यह भी दैवीय घटना है

नई दिल्ली। भारत और चीन के मध्य सीमा पर तनाव के बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर एक बार फिर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने शुक्रवार सुबह अपने ट्वीट में लिखा चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया। भारत सरकार इसे वापस हासिल करने की योजना बना रही है? या फिर इसे भी एक दैवीय घटना बताकर छोड़ा जा रहा है। राहुल गांधी पहले भी कई बार चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर सवाल उठाते रहे हैं। बता दें कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी चीन के अलावा कोरोना वायरस, रोजगार, निजीकरण, परीक्षाओं, जीडीपी में गिरावट, अर्थव्यवस्था और परीक्षाओं को लेकर लगातार सवाल उठा रहे हैं। वहीं, कांग्रेस पार्टी मानसूत्र सत्र में भी चीनी घुसपैठ के मुद्दे को जोर-शोर से उठाने की तैयारी में है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की अध्यक्षता में हाल ही में कांग्रेस के सांसदों की बैठक हुई। बैछक में संसद के आगामी सत्र में सरकार को घेरने की रणनीति पर चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक़, मीटिंग में तय किया गया कि चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधे तौर पर घेरा जाए।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

ड्रग केसः रिया, शौविक सहित 6 की जमानत अर्जी खारिज, अभी जेल में ही रहना होगा

मुंबई। सुशांत ड्रग मामले में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती की जमानत अर्जी खारिज हो गई है। शुक्रवार को सेशन कोर्ट ने रिया, शौविक समेत सभी 6 आरोपियों की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया। अब उन?हें जेल में ही रहना होगा। ड्रग केस में रिया 14 दिन की न्यायिक हिरासत में हैं। उनको भायखला जेल की महिला विंग में रखा गया है। उनकी लीगल टीम उन्हें जमानत दिलाने की कोशिश में लगी है। उनकी बेल की अर्जी पर गुरुवार को जिरह पूरी हो गई थी, जबकि शुक्रवार को फैसला आया। रिया के साथ ही शौविक चक्रवर्ती, सैमुअल मिरांडा, दीपेश सावंत, जैद विलात्रा और अब?दुल बासित परिहार को भी जमानत नहीं मिली है। रिया की बेल की अर्जी पर गुरुवार सेशन कोर्ट ने फैसला सुरक्ष?ित रख लिया था। दूसरी, ओर जेल में दूसरे दिन भी रिया बाकी कैदियों की तरह सुबह 6 बजे रोल कॉल पर जागीं। उन्हें 7.30 बजे ब्रेकफस्ट में चाय और पोहा दिया गया। रिया ने जेल की मेस में दाल, चावल, सब्जी और रोटी का लंच किया। डिनर करने के बाद वह अपने जनरल बैरक के सर्कल नंबर 1 सेल में रहीं। रिया चक्रवर्ती के भाई शौविक और सुशांत के हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा भी 14 दिन की न्यायिक हिरासत में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनसीबी सोर्सेज ने बताया था कि उनके पास पर्याप्त सुबूत हैं जिनके चलते रिया को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि खबरें हैं कि रिया ने बेल की अर्जी में लिखा है कि एनसीबी ने उनसे जबरन दोष कुबूल करवाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रिया को बुधवार सुबह जेल पहुंचने पर सामान्य बैरक में रखा गया था, बाद में सुरक्षा कारणों से उन्हें अलग सेल में शिफ्ट कर दिया गया। बुधवार को जेल में रिया को 6 बजे डिनर दिया गया था। उनके खाने में 2 रोटियां, सब्जी और चावल था।

दूसरे वार की तैयारी : बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना के खिलाफ ड्रग्स केस की जांच करेगी महाराष्ट्र पुलिस

मुंबई । मुंबई पुलिस बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ ड्रग्स केस की जांच करेगी। महाराष्ट सरकार ने मुंबई पुलिस को जांच का जिम्मा सौंपा है। मुंबई पुलिस को महाराष्ट सरकार से इस मामले की जांच के लिए ऑफिशियल लेटर मिला है। मुंबई पुलिस अभी इस बात पर फैसला नहीं ले पाई है कि कंगना के ड्रग्स मामले की जांच एसआईटी करेगी या फिर एंटी नारकोटिक्स सेल। महाराष्ट के गृह राज्यमंत्री अनिल देशमुख ने कंगना रनौत के ड्रग्स मामले को उठाया है।

आशा कार्यकर्ताओ को दी जाए सम्मानजनक राशि-लक्ष्मी कौरव

सीएम की सभा मे आशा कार्यकर्ताओ ने कागज लहराकर जताई नारजगी

भिंड(अर्पित गुप्ता)

मेहगांव गल्ला मंडी प्रांगण में मप्र के सीएम शिवराज सिंह की सभा मे आशा कार्यकर्ताओं ने कागज लहरा कर अपनी नाराजगी जाहिर की।आशा एवं आशा सहयोगी प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी कौरव का कहना है कि कोरोना काल मे रुपये 30 प्रतिदिन के हिसाब से बिना किसी सुरक्षा संसाधन जान को जोखिम में डालकर आशा कार्यकर्ताओ से कार्य करवाया जा रहा है सन 2005 से नेशनल हेल्थ मिशन के अंतर्गत आशा कार्यकर्ता बिना किसी तनख्वाह के स्वास्थ्य सेवा प्रदाता के रूप में कार्य कर रही हैं।स्वास्थ्य विभाग के प्रत्येक राष्ट्रीय कार्यक्रम अभियानों और सर्वेक्षणों को सफल बनाने में आशा कार्यकर्ता की अहम भूमिका रही है इतने कार्य के बदले में आशा कार्यकर्ताओं ने सरकार से सम्मानजनक राशि दी जाने की मांग की।इस कोरोना काल मे ग्राम में सर्वेक्षण करना संभावित का चित्रांकन करना परीक्षण के लिए अस्पताल भेजना शासन के द्वारा दिशा निर्देशों का पालन करवाना जागरूक करना प्रतिदिन सूचना प्रदान करना स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना लोगों को तत्काल टाइम करना प्रतिदिन फॉलो अप करना जैसी जोखिम भरी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी इन आशा कार्यकर्ताओं ने बहुत अच्छी तरह से निभाई तो सरकार के द्वारा इतने काम के बदले सरकार के द्वारा इन्हें रुपये 30 प्रतिदिन दिया गया।उन्होंने कहा कि मेहगांव में पधारे हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मैं सभी मध्य प्रदेश की महिलाओं का भाई हूं तो क्या आशा कार्यकर्ता महिलाएं इनकी बहन नहीं है यदि बहन है तो मुख्यमंत्री भाई को हमारी बात और परेशानियां सुननी चाहिए।लेकिन जब हमारी नहीं सुनी गई तो हम आशा कार्यकर्ताओं ने भी अपने कंस भाई को अपनी नाराजगी से अवगत करा दिया उनके प्रोग्राम में अपने ज्ञापन लहरा कर विरोध प्रदर्शन किया।

नाबालिग के साथ छेड़छाड़ करने बाले आरोपी की जमानत निरस्त

लहार। न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश लहार के न्यायालय में आज नाबालिग के साथ छेड़छाड़ करने बाले आरोपी की जमानत निरस्त कर दी है । अपरलोक अभियोजन मनोज कुमार गुप्ता द्वारा बताया गया कि दिनांक 3 सितंबर 2020 को 12 बजे दोपहर को फरियादिया नाबालिक युवती बाजरा के खेत मे शौच के लिए गयी थी एवम उसकी चाची उसी खेत मे दूसरी जगह शौच कर रही थी जब पीड़िता शौच करके खेत की मेड़ पर पहुँची तो आरोपी पुष्पेंद्र पुत्र अमर सिंह प्रजापति ने बुरी नियत से उसे पकड़ लिया और छेड़छाड़ करने लगा तो बो चिल्लाई जब वह चिल्लाई तो आरोपी ने उसका मुंह दबा लिया जब वह चिल्लाई तो आबाज सुनकर उसकी चाची वहां आ गयी तो आरोपी पीड़िता को छोड़कर वहां से भाग खड़ा हुआ मुँह दबाने की बजह से पीड़िता की नाक में मूंदी चोट आई इसके अलाबा उसने पीड़िता को जान से मारने की धमकी भी दी जिसकी लिखित सूचना पुलिस थाना दबोह में दी गयी जिस पर दबोह थाने के अपराध क्र.194/20 के अंतर्गत धारा 354,323,506 भादवि तथा 7/8 पॉस्को एक्ट के तहत आरोपी पुष्पेन्द्र प्रजापति पुत्र अमर सिंह प्रजापति उम्र 20 बर्ष पर अपराध पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया है।

निक्की शर्मा 'शिक्षक संचेतना की राष्ट्रीय सचिव नियुक्त

पुष्पांजली टुडे न्यूज़

नई दिल्ली। देश की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था ÷राष्ट्रिय शिक्षक संचेतना÷ ने प्रसिद्ध साहित्यकार व लेखिका श्रीमती रश्मि शर्मा रश्मि, (मुम्बई) को शिक्षक संचेतना की महिला ईकाई के राष्ट्रीय सचिव के पद पर नियुक्त किया है। शिक्षक संचेतना के महासचिव डॉ प्रभु चौधरी ने बताया राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.के शर्मा की अनुमति से संचेतना की महिला ईकाई के राष्ट्रिय सचिव के पद पर नियुक्ति की है। उल्लेखनीय है कि निक्की शर्मा रश्मि भागलपुर(मुंबई) ने लेखन व साहित्य के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट लेखनी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक सामानों से सम्मानित हो चुकी है।इसके साथ-साथ सामाजिक सरोकारों बालिका शिक्षा, पर्यावरण, पीपल, तुलसी, नीम, अभियान में भी महती भूमिका निभा रही है।श्रीमती निक्की शर्मा साहित्य साधक समूह के राष्ट्रीय सचिव, व साहित्य मित्र मंडल जबलपुर, शारदे काव्य संगम संस्था की अध्यक्ष, तथा भारत जॉर्नलिस्ट कौंसिल की सदस्य भी है।

दीपांजलि दुबे संगठन मंत्री व राहुल चौहान तकनीकी प्रभारी नियुक्त

शिवपुरी। राष्ट्रीय साहित्य वाटिका अखिल भारतीय साहित्य सृजन संस्था शिवपुरी मध्य प्रदेश ने कवियित्री दीपांजलि दुबे को राष्ट्रीय संगठन मंत्री व कवि राहुल चौहान को तकनीकी प्रभारी नियुक्त किया साहित्य के प्रति उनके प्रेम और समर्पण को देखते हुए संस्था ने उन्हें इस पद से सुशोभित किया राष्ट्रीय साहित्य वाटिका के संस्थापक श्री राकेश मिश्र रंजन जी ने उन्हें प्रमाण पत्र देकर उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष विकास शुक्ल प्रचंड संरक्षक राम पंडित जी, प्रदीप अवस्थी मार्गदर्शक सतीश दीक्षित महासचिव राजेश शर्मा सचिव यतीश जी उपाध्यक्ष सर्वेश उपाध्याय उपाध्यक्षा संगीता शर्मा मीडिया प्रभारी नितिन त्रिगुणायत संस्था के सदस्य आभा, अर्चनव, उर्वशी, सुदर्शन, नमृता, निधि, नाथूलाल, अनीता, सुरेंद्र शर्मा, नंदन, पुष्पा आदि सभी ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

शिवराज, ज्योतिरादित्य, नरेंद्र सिह का आगमन 13को, बीस हजार लोग होंगे एकत्रित

गोहद। गोहद की जनता को 320करोड़ के बिभिन कार्यो के लोकार्पण व शिलान्यास अवसर पर पधार रहे मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ,राज्यसभा सांसद श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय मंत्री के आगमन पर 13सितंबर को दोपहर3बजे नया बस स्टैंड पर आयोजित विशाल आमसभा में गोहद अंचल के 20हजार लोग उपस्थित होंगे उक्त निर्णय गोहद विधानसभा की प्रबंध व संचालन समिति की मनहर होटल मालनपुर बैठक में प्रभारी बिनोद गोटिया के आतिथ्य में लिया गया मंच पर शह प्रभरी राजेश सोलंकी ,रामबाबू उपाध्याय, नाथू सिह गुर्जर रमेश तोमर बिनोद जादोन्न पूर्वमंत्री

लालसिह आर्य पूर्व बिधायक रणवीर जाटव लछ्मीनारायन शर्मा, गब्बर सिह गुर्जर धर्मेंद सिह गुर्जर अर्चना शर्मा आदि उपस्थित थे गोहद विधानसभा में आयोजित जनसभा को सफल बनाने के लिए पार्टी ने युद्ध स्तर पर तैयारियां की जा रही है अंचल की जनता अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित हो इसके लिए मतदान केंद्र तक व्यवस्था की गई है इसके लिए गोहद विधानसभा के गोहद नगर मण्डल अध्यक्ष विवेक जेन ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष दीपक तोमर ,मालनपुर मण्डल अध्यक्ष दीपेन्द्र गोंड, चितौरा मण्डल अध्यक्ष रवि शर्मा मो मण्डल अध्यक्ष गोपाल कुशवाहा को जिम्मेदारी सोपी गई है गोहद में आयोजित जनसभा में 20हजार जनता के लिए 500बहन की व्यवस्था की गई है साथ ही प्रचार प्रसार के लिए 5वाहन गोहद विधानसभा के पांचों मंडलों में आयोजित जनसभा की जानकारी देकर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील कर रहे है नगर की साजसज्जा की जिम्मेदारी युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिह गुर्जर को दी गई है नगर में मंडी तिराहे से नया बस स्टैंड तक हार्डिंग झंडे बैनरों से सजाया जाएगा नगर मण्डल के विभिन्न बार्दो से कार्यकर्ताओं की टोलियां नगाड़ो के साथ कार्यक्रम स्थल पहुचेगी ओर भीड़ में शामिल होगी मो की ओर से आने वाले वाहनों को बालक स्कूल और गोहद चोराहा की ओर से आने वाले वाहनों की पार्किंग व्यवस्था केशव पार्क पर की गई है बाहर से आने वाले मेहमानों को कार्यक्रम स्थल तक पहुचने में परेशानी न हो इसके लिए कार्यकर्ता तैनात रहेंगे बैठक में चुनाव के सम्बंध में भी विभिन्न विषयो पर चर्चा की गई बैठक में चंद्रशेखर शर्मा, महेश सिह गुर्जर रामसिया जाटव भीकम कौशल ,मेहताब सिह गुर्जर सज्जनसिंह यादव मुकेश भारद्वाज विवेक जेन मनीष शर्मा आशीष शर्मा श्याम बाजपेयी अशोक गुर्जर आदि उपस्थित थे।

13 सितम्बर को मुख्यमंत्री के गोहद आगमन के दौरान व्यवस्था हेतु अधिकारियों को सौंपे दायित्व

भिण्ड। कलेक्टर श्री वीरेन्द्र सिंह रावत ने प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 13 सितम्बर 2020 को गोहद में प्रस्तावित भ्रमण के दौरान कानून व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्था हेतु अधिकारियों को दायित्व सौंप दिए है। जिन अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए है उनमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था हेतु आवश्यक पुलिस बल इत्यादि की व्यवस्था, अपर जिला दण्डाधिकारी को कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की ड्यूटी व्यवस्था/कार्यक्रम स्थल पर संबंधित अधिकारियों से आवश्यक समन्वय कर कार्य समयावधि में पूर्ण कराने हेतु, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को कार्यक्रम स्थल प र लोकार्पण/भूमिपूजन/शिलान्यास इत्यादि की व्यवस्थाओं हेतु संबंधित विभागो से समन्वय रखते हुए बेक ड्रॉप, शिला पट्टिका एवं पूजन इत्यादि की व्यवस्था करना, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अस्थाई अस्पताल, एम्बूलेंस, मेडीकल टीम एवं आवश्यक चिकित्सीय इत्यादि की व्यवस्था, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कार्यक्रम स्थल के आसपास के हैण्डपंपो को दुरूस्त एवं आवश्यक पेयजल व्यवस्था हेतु जनपद पंचायत से समन्वय कर पानी के टेंकर इत्यादि उपलब्ध कराए। अधीक्षण यंत्री एमपीईबी विद्युत लाईनो की दुरूस्तीकरण व्यवस्था एवं विद्युत आपूर्ति इत्यादि की व्यवस्था हेतु, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग हैलीपेड निर्माण, लॉगीट्यड/लेटीटयूड की जानकारी, सडको की मरम्मत एवं हैलीपेड स्थल/कार्यक्रम स्थल/ भ्रमण स्थल पर आवश्यक बेरीकेटिंग एवं मंच इत्यादि की व्यवस्था एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी गोहद, मौ, मेहगांव, गोरमी/मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहद, एकीकृत बाल विकास परियोजना म.बा.वि.गोहद लाईट, माईक, टेंट, फायरबिग्रेड, पानी के टेंकर एवं साफ सफाई की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी निभाऐंगे। अनुविभागीय दण्डाधिकारी गोहद को संपूर्ण व्यवस्थाओ में आवश्यक समन्वय एवं सहयोग प्रदान करेगें।

भिण्ड कलेक्टर ने किये आठ कंटेनमेंट एरिया घोषित

भिण्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री वीरेन्द्र सिंह रावत द्वारा वार्ड क्र.02 गोरमी जिसकी चतुर सीमा पूरब में वासुदेव भदौरिया का मकान, पश्चिम, उत्तर में रोड, दक्षिण में कप्तान भदौरिया का मकान, वार्ड क्र.11 सदर बाजार गोहद जिसकी चतुर सीमा पूरब में थाना गोहद, पश्चिम में इटायली गेट हास्पिटल रोड, उत्तर आबादी, दक्षिण में सिद्वेश्वर स्कूल, वार्ड क्र.06 मेहगांव जिसकी चतुर सीमा पूरब, पश्चिम में आबादी, उत्तर में नाला, दक्षिण में रास्ता, ग्राम सलैया तहसील लहार जिसकी चतुर सीमा पूर में हरीशंकर शर्मा का गौंडा, पश्चिम में आबादी, उत्तर में ग्राम रास्ता, दक्षिण में रामकिशोर परिहार का मकान, वार्ड क्र.16 जगमन धर्मकांटा के पास मंडी तिराहा गोहद जिसकी चतुर सीमा पूरब में खाली जगह, पश्चिम में रास्ता, उत्तर में आबादी, दक्षिण में खुली जगह, वार्ड क्र.11 छम्मन थोक ग्राम बिरखडी तहसील गोहद जिसकी चतुर सीमा पूरब में भूरेलाल शर्मा का मकान, पश्चिम, उत्तर में रास्ता, दक्षिण में आबादी, वार्ड क्र.22 कुंआ वाली गली चतुर्वेदी नगर भिण्ड जिसकी चतुर सीमा पूरब, पश्चिम में आबादी, उत्तर में आबादी सडक, दक्षिण में सडक, वार्ड क्र.35, 17वीं बटालियन भिण्ड जिसकी चतुर सीमा पूरब में रिक्त भूमि के बाद क्वाटर, पश्चिम में सडक, उत्तर, दक्षिण में रिक्त भूमि को कंटेनमेंट एरिया घोषित किया गया है।

शिवसेना की ड्रग्स पेडलर पर पीएसए लगाने की मांग

जम्मू =(अमित कुमार)। शिवसेना बाला साहेब ठाकरे जम्मू-कश्मीर के नेताओं ने ड्रग पेडलर्स को सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत बुक करने की मांग की है। पार्टी प्रदेश कार्यालय जम्मू में आज मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए, प्रदेश अध्यक्ष मनीश साहनी ने ड्रग्स के बढ़ते मायाजाल पर चिंता जताते हुए , युवाओं से नशाखोरी से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी ड्रग पेडलर्स के बहकावे में अपने भविष्य को बर्बाद कर रही है। साहनी ने ड्रग पैडलर्स के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि कहीं न कहीं कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से इसे अंजाम दिया जा रहा है। हालांकि पुलिस प्रशासन की सतर्कता के कारण काफी हद तक इस पर अंकुश लगा है।? साहनी ने कहा कि अगर समय पर ठोस कदम नहीं उठाए गए तो वह दिन दूर नहीं जब जम्मू ड्रग कैपिटल बन जाएगा। साहनी ने याद करते हुए कहा कि हाल ही में जारी एक बयान में जम्मू-कश्मीर के डीजीपी ने भी ड्रग पेडलर को पीएसए के तहत बुक करने की वकालत की थी , लेकिन अभी तक किसी भी पेडलर के खिलाफ इसके तहत कार्यवाही नहीं की गई । साहनी ने ह्ष्ट्क्क और पुलिस विभाग से अपील की कि वह इन ड्रग माफियाओं और उनके किंगपिनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे और उन्हें छ्व्क्क के तहत बुक करें, जो हमारे युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं । साहनी ने युवा पीढ़ी को नशे से मुक्त करने के लिए समाज के हर वर्ग से सहयोग की अपील की ।इस मौके पर अध्यक्ष महिला विंग मीनाक्षी छिब्बर, कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी गुप्ता, जनरल सेक्रेटरी विकास बख्शी, सचिव राज सिंह उपस्थित थे।

(परीक्षा पूर्व गोले बनायें रा.से.यो. माधव महाविद्यालय, ग्वालियर द्वारा)

एन.एस.एस.द्वारा परीक्षा संग्रहण केन्द्र पर गोले बनाकर सामाजिक दूरी का दिया संदेश

ग्वालियर । कोविड-19 के समय परीक्षा सम्पन्न कराना छात्रों के हित कार्य करते हुये सोशल डिस्टेंसिंग का प्रर्याप्त ध्यान रखा जाये। माधव महाविद्यालय को परीक्षा संग्रहण केन्द्र बनाया गया है जिसमें महाविद्यालय के एवं बहार के आने वाले छात्र/छात्राओं को सामाजिक दूरी के हिसाब से खड़ा रखने के लिये माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाइ द्वारा गोले बनाने का कार्य वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार पाण्डेय, राष्ट्रीय सेवा योजना माधव महाविद्यालय के नेतृत्व किया गया। भीड़ इक्कठी न हो इसलिये ओपन बुक पद्धति से परीक्षा सम्पन्न हो रही है जिसमें संग्रहण केन्द्र पर लिखित कॉपियों को जमा करने वाले छात्र/छात्राओं को कोरोना संकट से बचाने के लिये सेनेटाईज कराना व सामाजिक दूरी के लिये गोले का निर्माण कार्य किया गया। इस कार्य को माधव महाविद्यालय के एन.एस.एस. के स्वयं सेवकों ने करने का जिम्मा लिया। कार्यक्रम में अंकुश अरोरा, अनिरूद्ध शर्मा, यश किरार, पूर्वी मोरगॉवकर, हेमन्त मांझी, आकाश राणा, अनुभव दीक्षित आदि लोग उपस्थित थे।

अतिवृष्टि और बाढ़ से नुकसान के अध्ययन के लिए आए केन्द्रीय दल ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

अतिवृष्टि और बाढ़ से 9 हजार 500 करोड़ की हुई हानि- मुख्यमंत्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में अतिवृष्टि और बाढ़ के कारण प्रारंभिक आकलन के अनुसार लगभग 9 हजार 500 करोड़ की हानि हुई है। प्रदेश में फसलें, मकान, पशु हानि के साथ-साथ सड़कों तथा अधोसंरचना को हुई क्षति के कारण व्यवस्थाएं प्रभावित हुईं। इस स्थिति में लोगों को अपने घरों से रेस्क्यू कर राहत शिविरों में पहुंचाया गया। जनहानि न हो इसके प्रयास किए गए और इसमें सफलता भी मिली। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में बीते पखवाड़े अतिवर्षा से हुई हानि की विस्तृत जानकारी केन्द्र सरकार को दी गई है। सर्वे कार्य निरंतर जारी है और अधिक नुकसान की स्थिति भी सामने आ सकती है। राज्य सरकार ने प्रभावित लोगों को अधिकाधिक सहायता दी है। आगे भी राहत पहुँचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। केन्द्रीय अध्ययन दल के प्रभावित जिलों में भ्रमण के पश्चात राहत कार्यों को पूरी तरह से पूर्णता तक पहुंचाने में सहयोग मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज निवास पर, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का अवलोकन और अध्ययन करने आए केन्द्रीय अध्ययन दल के सदस्यों से चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर

मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री के.के. सिंह, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री श्री मनीष रस्तोगी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। अध्ययन दल के समक्ष गुरुवार को विस्तृत प्रजेंटेशन के माध्यम से भी प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति को सामने रखा जा चुका है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि फसल बीमा और राहत राशि से नुकसान की भरपाई की जा रही है, परन्तु कीट-व्याधि से हुए नुकसान की पूर्ति के लिए केन्द्र से सहयोग की अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि कीट-व्याधि के कारण फसलों को बहुत अधिक नुकसान हुआ है। प्रदेश का राजस्व अमला उस नुकसान का सर्वे कर रहा है। उन्होंने कीट-व्याधि से हुए नुकसान के आकलन के लिए भी पृथक से केन्द्रीय अध्ययन दल भेजे जाने का अनुरोध किया। बैठक में जानकारी दी गई कि मुख्यतः सोयाबीन, मक्का तथा चने की फसल कीट व्याधि से प्रभावित हुई है। प्रदेश में 15 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें और 17 लाख कृषक कीट-व्याधि से प्रभावित हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि 28 एवं 29 अगस्त को अतिवृष्टि से जलस्तर खेतों के साथ ग्रामीण आवासीय क्षेत्रों तक पहुंच गया था। सेना और अन्य राहत दलों ने सतर्कतापूर्वक दिन-रात कार्य किया। निरंतर मॉनीटरिंग की गई। प्रदेश के 12 जिले गंभीर रूप से और 23 जिले आंशिक रूप से प्रभावित हुए। कुल 8 हजार 442 गांवों में नुकसान हुआ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि वे स्वयं भी 48 घंटे सोये नहीं। तत्काल प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर लोगों की जीवन रक्षा और राहत शिविरों में उनके ठहरने और खाने-पीने की व्यवस्था का कार्य सुनिश्चित किया। श्री चौहान ने कहा कि परिणाम स्वरूप हमें इस बात का संतोष है कि पूरे अमले की सक्रियता के परिणामस्वरूप जनहानि रोकने में सफल हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि सीहोर, रायसेन, होशंगाबाद, हरदा, देवास सहित इन्दौर, आगर-मालवा, भोपाल और छिंदवाड़ा में औसत से 26 से 39 प्रतिशत तक अधिक वर्षा अगस्त माह में दर्ज की गई।

मंत्री पटेल द्वारा दिव्यांगजनों को निरामय बीमा पत्र वितरित

भोपाल। सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल ने प्रदेश के ऑटिज्म, सेरेब्रल पॉल्सी, मंदबुद्धि और बहु-विकलांग वर्ग के सभी उम्र के दिव्यांगजनों को निरामय बीमा योजना का शत-प्रतिशत लाभ दिलाने के निर्देश दिये हैं। श्री पटेल ने यह बात आज बड़वानी के आशा ग्राम में निरामय बीमा-पत्र वितरण कार्यक्रम में कही। बड़वानी जिले में बीमा योजना का लाभ 2065 दिव्यांगजनों को मिलेगा। मंत्री श्री पटेल ने बताया कि निरामय बीमा के तहत बीमित व्यक्ति को एक लाख रुपये की उपचार सुविधा

मिलेगी। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा निर्धारित दर के अनुसार गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाले को मात्र 50 रुपये प्रतिवर्ष, एपीएल श्रेणी के दिव्यांजनों को 250 रुपये प्रतिवर्ष प्रीमियम और निराश्रितों के लिये यह बीमा पूरी तरह से निःशुल्क रहेगा। निरामय बीमा-पत्र पाने वाले आशा ग्रामवासी श्री जामसिंग ने कहा कि मैं बहुत खुश हूँ। स्वास्थ्य बीमा हो जाने पर अब मैं अपनी विकृति की सर्जरी अच्छे अस्पताल में करवा सकूंगा। मंत्री श्री पटेल ने जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र आये ग्राम तलून के श्री विजय मोरे और श्री राहुल पूना को बैसाखी और बड़वानी के शाहनवाज को श्रवण-यंत्र प्रदान किये। सामाजिक न्याय मंत्री और आयुक्त श्री संदीप रजक ने अपना घर वृद्धाश्रम पहुँचकर वृद्धजनों को चरण-पादुकाएँ पहनाईं।

प्रदेश में ऑक्सीजन का संकट नहीं : मुख्यमंत्री चौहान

फीवर क्लीनिक तथा कमांड कंट्रोल सेंटर सक्रियता से कार्य करें, कोविड-19 की समीक्षा संपन्न

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में ऑक्सीजन का संकट नहीं है। पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन उपलब्ध है। किसी को भी चिंता की आवश्यकता नहीं है। राज्य शासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं कर ली गईं हैं। विभिन्न राज्य सरकारों से भी समन्वय किया जा रहा है। प्रदेश में ऑक्सीजन उपलब्धता की मॉनीटरिंग के लिए प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा श्री संजय शुक्ला को दायित्व सौंपा गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में कोरोना महामारी को लेकर निरंतर सजगता की आवश्यकता है। स्वास्थ्य संस्थाओं में स्थापित किए गए फीवर क्लीनिक, संभावित लक्षणों से प्रभावित व्यक्तियों के परीक्षण और उपचार के लिए निरंतर सक्रिय रूप से कार्य करें। होम आइसोलेशन में रह रहे व्यक्तियों की मॉनीटरिंग के लिए जिला स्तर पर बनाए गए कमांड एवं कंट्रोल सेंटर की व्यवस्थाओं की भी प्रभारी अधिकारी निरंतर मॉनीटरिंग करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यह निर्देश कोरोना की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। बैठक में अवगत कराया गया कि प्रदेश का रिकवरी रेट 75.3 प्रतिशत है। प्रदेश में अब-तक 83 हजार 619 पॉजीटिव प्रकरण सामने आए। रिकवर हुए केस 62 हजार 936 हैं। जिलावार स्थिति की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्वालियर चिकित्सा महाविद्यालय से किसी विशेषज्ञ को शिवपुरी भेजने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने एम्स भोपाल में उपलब्ध क्षमता तथा संसाधनों की भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना के प्रकरण प्रदेश में लगातार बढ़ रहे हैं। इससे बचाव के लिए प्रत्येक व्यक्ति को सतर्क रहना आवश्यक है। कार्य व्यवहार में परस्पर दूरी और मॉस्क का उपयोग सुनिश्चित करना आवश्यक है। समीक्षा बैठक में चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा श्री संजय शुक्ला, आयुक्त जनसंपर्क डॉ. सुदाम खाडे एवं अन्य अधिकारी उपलब्ध थे।

शासकीय निर्माणाधीन भवनों में दिव्यांगों के लिये रैम्प निर्माण अनिवार्य : मंत्री पटेल

भोपाल। सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल ने कहा है कि सभी निर्माणाधीन शासकीय भवनों में दिव्यांगों के लिये रैम्प और तीन मंजिल से अधिक के भवनों में अनिवार्य रूप से लिफ्ट लगवायें। श्री पटेल ने आयुक्त निःशक्तजन कल्याण श्री संदीप रजक को बड़वानी में विभागीय गतिविधियों की समीक्षा के दौरान यह व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पुराने शासकीय कार्यालय भवनों में भी रैम्प का निर्माण सुनिश्चित करें ताकि दिव्यांगजनों को कठिनाई का सामना न करना पड़े। सवारी वाहनों में किराये में 50 प्रतिशत की छूट और पाँच सीटें दिव्यांगों के लिये मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सवारी वाहनों में दिव्यांगों के लिये किराये में 50 प्रतिशत छूट और आगे की 5 सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है। यदि कहीं इसका उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित के खिलाफ जुर्माने और परमिट निरस्त करने की कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने सार्वजनिक स्थानों टॉकीज, होटलों आदि में भी दिव्यांगों के लिये बाधारहित प्रवेश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये मंत्री श्री पटेल ने कहा कि दिव्यांगों को कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके, इसके लिये उनके पास मेडीकल बोर्ड का प्रमाण-पत्र होना आवश्यक है।

पोषण अभियान में ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकायों की सहभागिता सुनिश्चित करने चलेगा पोषण सरकार कार्यक्रम मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ

भोपाल। पोषण अभियान के अंतर्गत प्रतिवर्ष सितम्बर माह में पोषण माह के रूप में मनाया जाता है। समाज के सभी वर्गों को शामिल कर पोषण को प्राथमिकता में लाने और जागरूकता के प्रयास किये जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में स्थानीय निकायों- ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय का पोषण अभियान में सहभागिता एवं नेतृत्व सुनिश्चित करने के लिये पोषण सरकार कार्यक्रम की शुरूआत की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान इस कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ग्वालियर, बालाघाट, श्योपुर, होशंगाबाद, छतरपुर, सीहोर, बड़वानी, शाजापुर एवं अनूपपुर से एक-एक ग्राम पंचायत तथा सतना नगर निगम के प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं लाड़ली लक्ष्मी योजना के हितग्राहियों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चर्चा भी करेंगे। पोषण सरकार कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय का पोषण अभियान में सहभागिता कर कुपोषण को दूर करने में सहयोग करना है। इसके तहत विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित होंगी। कार्यक्रम के तहत सभी ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगरीय निकायों में पोषण संकल्प पारित किया जायेगा। ग्राम/नगर की आँगनवाड़ी स्तर पर तैयार पोषण प्रबंधन रणनीति को एकीकृत कर सभी पंचायतों द्वारा पोषण विशेष ग्राम सभा के दौरान निर्धारित तिथि में पारित किया जायेगा।

कोई भी गरीब भूखा नहीं रहेगा, सभी को मिलेगा राशन : मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए दृढ़ संकल्पित है। कोई भी गरीब भूखा नहीं रहेगा। हर गरीब को राशन दिया जाएगा। गरीब परिवारों के बच्चों के लिए शिक्षा की व्यवस्था हो या संबल योजना के तहत जरूरतमंदों की सहायता कर उन्हें संबल प्रदान करने के लिये प्रदेश सरकार तत्परता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान शुक्रवार को शिवपुरी जिले के पोहरी में आयोजित हुए विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि, पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर तथा राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रदेश के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के

पोहरी में 300 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

साथ लगभग 300 करोड़ रूपए लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार हर गरीब को ढूंढ-ढूंढ़कर खाद्यान्न पर्चियाँ देगी और उन्हें एक रूपए प्रतिकिलो की दर से राशन मुहैया करायेगी। इसके लिये आगामी 16 सितम्बर को महाभियान शुरू होगा। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद जिला कलेक्टर को निर्देश दिए कि जिले में कोई भी गरीब पात्रता पर्ची से वंचित नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार कर्जमाफी पर भी किसानों को न्याय देगी। साथ ही सरकार ने किसान व गरीबों के कल्याण के लिये बनी संबल योजना को फिर से चालू करने का फैसला भी लिया है। इसी तरह आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों की उच्च शिक्षा में मदद के लिये शुरू की गईं योजनायें भी निरंतर जारी की गई है। सरकार गरीबों के बच्चों की आईआईटी, आईआईएम व मेडीकल इत्यादि संस्थानों की फीस भरेगी। उन्होंने कहा कि जल्द ही भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी। युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराए जाएंगे। कार्यक्रम में युवाओं द्वारा उठाए गए ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आश्वासन दिया है कि सभी के साथ न्याय किया जाएगा। सरकार इस पर उचित निर्णय लेगी। केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने इस अवसर पर कहा कि सरकुला नदी पर डेम का शिलान्यास किया गया है अब यह योजना मूर्त रूप ले रही है। इससे क्षेत्र की जनता को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जिस प्रकार कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए काम कर रही है। वह सराहनीय है। राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा की पोहरी की जनता मेरे परिवार के समान है। पोहरी के विकास के लिए आज विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण हुआ। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विकास कार्यों की सौगातें देकर पोहरी क्षेत्र के विकास के लिये नए दरवाजे खोले हैं। आगे भी इसी प्रकार निरंतर विकास के लिए काम किया जाएगा। कमजोर वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

हिन्दी की बदलती दशा व दिशा

हर देश की अपनी एक खास भाषा होती है जिसमें सभी देशवासी संवाद करते हैं। जिसमें उस देश की विशिष्ट पहचान समायी नजर आती है। इस दिशा में विश्व के अनेक विकसित देश रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, चीन आदि के भाषायी प्रयोग के स्वरूप को देखा जा सकता है। भारत उन्हीं विकसित देशों में से एक महत्वपूर्ण देश है। जहां की संस्कृति आज भी इन विकसित देशों से सर्वोपरि है। परन्तु भाषायी प्रयोग की दिशा में स्वतंत्रता के सत्तर दशक उपरांत भी आज तक इस देश को केवल राष्ट्रभाषा का दर्जा देने से ज्यादा कुछ नहीं कर पाये हैं। जहां आज भी देश के प्रमुख उत्सवों पर आमंत्रित विशिष्ट अतिथियों के संवाद की भाषा अंग्रेजी ही बनी हुई है। संसद के अधिकांश क्षण प्रश्नोत्तर काल के दौरान अंग्रेजियत पृष्ठभूमि को उभारते नजर आ रहे हैं। जबकि व्यवहारिक तौर पर इस देश में आज भी हिंदी सर्वाधिक बोली एवं समझी जाती है परंतु राजकीय एवं राजनीतिक पृष्ठभूमि में इसके प्रयोग पर दोहरेपन पृष्ठभूमि को आसानी से देखा जा सकता है। वैसे पहले से इस दिशा में आये अंतराल को भी देखा जा सकता है। जहां हर दिशा में हिंदी बंटती नजर आ रही है। आज हिंदी देश ही नहीं विश्व स्तर पर अपना परचम इस तरह के परिवेश के बावजूद भी लहरा रही है। विश्व की चर्चित भाषाओं में आज यह तीसरे स्थान पर पहुंच चुकी है। इस तरह के विकास पथ पर निरंतर बढ़ रहे इसके पग को सबलता प्रदान करने की दिशा में जनसंचार माध्यमों की भूमिका सदा से ही अग्रणी रही है। इसके इतिहास के आईने को देखें जहां यह देश वर्षों तक गुलामी की जंजीर में जकड़ा रहा, सात समुंदर पार की अंग्रेजी भाषा का वर्चस्व वर्षों तक यहां हावी रहा और आज भी कहीं न कहीं इसका स्वरूप देखने को मिल ही जाता है। स्वाधीनता के कई वर्ष तक राष्ट्रभाषा के रूप में घोषित हिंदी उपेक्षित जीवन

को सहती रही। राजनीतिक स्तर पर उपजे विरोध को झेलती रही। पर आज इसके विकसित रूप में भारतीय जनजीवन का स्वरूप परिलक्षित होने लगा है। इस तरह के स्वरूप को उजागर होने में जनसंचार माध्यमों की भूमिका निश्चित तौर पर सदैव सक्रिय बनी रही है। जनसंचार माध्यमों में मुख्य रूप से प्रिन्ट, दृश्य एवं श्रव्य की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। प्रिन्ट मीडिया का इतिहास काफी पुराना है। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हिंदी भाषा में प्रकाशित पत्र-पत्रिकाओं ने देश को आजाद कराने की पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में अहम् योगदान दिया है। यहां के लोक कवि एवं साहित्यकारों ने हिंदी भाषा में अपनी रचनाएं जन-जन तक पहुंचा कर हिंदी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। स्वाधीनता काल की प्रकाशित पत्रिका 'सरस्वती', 'मार्तण्ड्य' आदि के सक्रिय योगदानों को देखा जा सकता है। हिन्दू, आज, आर्यावर्त, सन्मार्ग, नवज्योति, हिन्दूस्तान, विश्वामित्र, नवभारत, स्वतंत्र भारत जैसे अनेक चर्चित हिन्दी दैनिक समाचार पत्रों ने हिंदी के विकास में जो भूमिका निभायी है उसे भुलाया नहीं जा सकता। आज हिंदी के विकास में देश के विभिन्न अंचलों से हजारों पत्र-पत्रिकाएं सक्रिय भूमिका निभा रही है। राजस्थान पत्रिका, पंजाब केसरी, दैनिक भास्कर, जागरण, हरिभूमि, सहारा, डेली न्यूज जैसे अनेक समाचार पत्र जहां लाखों पाठकों के घर-घर पहुंच रहे हैं वहीं एक्सप्रेस मीडिया, मीडियाकेयर नेटवर्क जैसे इलैक्ट्रानिक संसाधनों के माध्यम से हिंदी आज देश में प्रकाशित चर्चित दुनिया, सवेरा, जलते दीप, हमारा मुंबई, हिंदी मिलाप, रांची एक्सप्रेस, लोकमत दैनिक समाचार पत्रों द्वारा पूरे देश में हिंदी संवाद को स्थापित करने में सक्रिय भूमिका निभा रही है। आज हिंदी दैनिक समाचार पत्रों के साथ-साथ हजारों साप्ताहिक, पाक्षिक पत्र भी अपनी भूमिका हिंदी के प्रचार-प्रसार में निभा रहे हैं जो गली-गली, गांव-गांव को हिंदी से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। हजारों पत्रिकाएं भी इस दिशा में अपना कार्य कर रही है जिसका प्रभाव सामने है। अंग्रेजी के वर्चस्व से धीरे-धीरे हिंदी को मुक्ति मिलती दिखाई देने लगी है। कभी यहां हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए बना हिंदी अधिकारी अपने आपको हिंदी अफसर कहना बेहतर समझता था आज वही अपने आपको गर्व के साथ हिंदी अधिकारी कहते नजर आता है।

संपादकीए

चुनाव सुधार की दरकार

चुनाव सुधार को लेकर उम्मीदें तो कई सालों से की जा रही हैं, लेकिन अभी भी इस दिशा में ठोस कदम बढ़ नहीं पाए हैं। तभी तो सांसदों-विधायकों पर दर्ज केस के आंकड़े पूरी व्यवस्था को चिढ़ाते नजर आते हैं। देशभर में राजनेताओं के खिलाफ 4,442 आपराधिक मामलों में सुनवाई चल रही है। इनमें से 2556 मामले मौजूदा सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट को सभी हाईकोर्ट द्वारा मुहैया कराए गए आंकड़ों से यह खुलासा हुआ है। संसद और विधानसभाओं में चुने जनप्रतिनिधियों के खिलाफ मामलों का तेजी से निपटारा करने के मुद्दे पर विचार करने को दायर याचिका पर शीर्ष अदालत में सुनवाई जारी है। इसी के तहत सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरलों को नेताओं के खिलाफ लंबित मामलों की जानकारी देने का निर्देश दिया था। मामले में एमिकस क्यूरी वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने सभी हाईकोर्ट से मिली जानकारी को इकट्ठा कर अपनी रिपोर्ट शीर्ष अदालत को सौंपी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल 4,442 मामले लंबित हैं, जिनमें से 2556 मामलों में मौजूदा सांसद और विधायक आरोपी हैं। 25 पेज के हलफनामे में कहा गया है कि इनमें जनप्रतिनिधियों की संख्या मामलों से ज्यादा है क्योंकि एक मामले में एक से ज्यादा निर्वाचित प्रतिनिधि शामिल हैं। भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका पर कोर्ट के आदेश पर यह रिपोर्ट दाखिल की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, यूपी में नेताओं के खिलाफ सबसे ज्यादा 1217 मामले लंबित हैं। इनमें से 446 मामले मौजूदा सांसदों व विधायकों के खिलाफ हैं। इसके बाद बिहार में 531 मामलों में से 256 में वर्तमान विधि निर्माता आरोपी हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने 352 मामलों की सुनवाई पर रोक लगाई है। 413 मामले ऐसे अपराधों से संबंधित हैं जिनमें उम्रकैद की सजा का प्रावधान है। इनमें से 174 मामलों में पीठासीन निर्वाचित प्रतिनिधि शामिल हैं। रिपोर्ट में मामलों का तेजी से निपटारा करने के लिए कई सुझाव दिए गए हैं। इनमें सांसदों और विधायकों के मामलों के लिए हर जिले में विशेष अदालत बनाने का सुझाव दिया गया है। इन विशेष अदालतों को उन मामलों को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिनमें अपराध के लिए मौत की सजा या उम्र कैद का प्रावधान है। इसके बाद सात साल की कैद की सजा के अपराधों को लेना चाहिए। वहीं मौजूदा सांसदों व विधायकों के मामलों को प्राथमिकता दी जाए। इन आंकड़ों को देखने के बाद पता चल जाएगा कि क्यों चुनाव सुधारों को लेकर सवाल उठते रहे हैं, खासकर तब जब चुनाव नजदीक होते हैं। इसलिए यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि इतने महत्वपूर्ण विषय पर चुनाव आयोग और सरकार गंभीर क्यों नहीं हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि चुनाव आयोग शक्तिहीन संस्था हो चुकी है। आज भी आयोग में संपूर्ण शक्तियां विद्यमान हैं। अगर भारत में चुनाव सुधारों को लेकर की गई पहल पर गौर करें, तो नब्बे के दशक में तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त रहे टीएन शेषन ने सबसे पहले इस दिशा में बड़े कदम उठाए थे। शेषन ने राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग की शक्तियों का अहसास कराया था। इसके बाद ज्यादातर मुख्य चुनाव आयुक्तों ने चुनाव सुधार की दिशा में कुछ न कुछ ऐसा जरूर किया, जिससे आयोग की शक्तियों के बारे में आमजन को भी पता चला। लेकिन लंबे समय से यह देखा जा रहा है कि देश की सर्वोच्च अदालत तो चुनाव सुधार को लेकर सक्रिय है और समय-समय पर इस बारे में निर्देश भी जारी होते रहे हैं, लेकिन हमारे राजनीतिक दल इसमें सहयोग करने के बजाय असहयोग का रास्ता ही अपनाते रहे हैं। यह कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा कि राजनीतिक दलों को इस बात का भय सताता रहता होगा कि अगर चुनाव प्रक्रिया सुधरी तो इसका पहला और सबसे ज्यादा असर उन्हीं पर पड़ेगा और आपराधिक संलिप्तता व चुनावों में धन के अथाह इस्तेमाल पर रोक लग जाएगी। राजनीतिक दल चुनावों में जिस तरह से भारी मात्रा में पैसे का इस्तेमाल करते हैं, वह कड़वी सच्चाई है। कालेधन के इस्तेमाल को रोकना है तो आयोग को तर्कसंगत तरीके से सोचना होगा, क्योंकि लोकतंत्र अमीरों का तंत्र बनता जा रहा है, इसमें गरीब अथवा ज्यादा धन खर्च न कर पाने वाले उम्मीदवार इन धन कुबेरों के आगे बौने पड़ गए हैं। राजनीति का अपराधीकरण गंभीर चिंता का विषय है। आज वक्त की जरूरत है कि राजनीति में धनबल और बाहुबल के बढ़ते प्रभाव को कम करने की दिशा में मजबूत कदम उठाए जाएं।

वक्त और हालात के साथ

शीर्षकः- दादी माँ

आंगन में एक पाटा रखकर
पण्डित और परिचितों को
बुलाकर
लगा तैयारी में पूरा घर
पकवान और मिष्ठान
बनाकर
हाथ जोड़कर सब बैठे हैं
दादी की बरसी है आज
एक बरस होने को आया
पर दादी को कोई भूल ना
पाया
लगता है जैसे कल की ही
बात हो
दादी बैठी थी आंगन में
कुछ हँसकर बोल रही थी
अपनी पोटलियां टटोल
रही थी
मैं लेकर चाय गई दादी के पास
उन्होनें दिया था आशीर्वाद
कुछ बातें उनकी आज जब
मन करता है सुन लेती हूँ
उनकी आवाज रिकार्ड है
मेरे पास
आज उनकी बरसी की बेला
भी आ गई
आगन की वो जगह सदा के
लिए सूनी हो गई....!!

रचनाकार : प्रज्ञा शुक्ला
सीतापुर

मैं एक नही ,मेरे जैसे लाखो है

चल दिया हूँ आज संग
कमाऊँ डिग्री अपनी लिये,
पिता की निराशा से छनी इक आस ,
माँ की छलकती आखों वाली अरदास लिये
वर्षो से नामुरीद हुई उम्मीद वह लिये ,
कुछ पैदल चलने की ताकत
तो तपती धूप का इंतजाम ,
और अहम वो सांत्वना लिये
कि
मैं एक नही , मेरे जैसे लाखो है ।

सरकारी भर्तियों में ,
करोड़ो के साथ वाला वो अनुभव लिये,
कच्ची उम्र का सपना तो ,
जवानी के वो सस्ते फिल्मी शौक लिये ,
बस यही गुनगुनाता हूँ कि ,
मैं एक नही, मेरे जैसे लाखो है ।

वयस्क से अधेड़ होने के सफ़र में ,
भैया से अंकल कहलाने तक का अनुभव लिये
रिक्शा ड्राइवर का वही एक प्रश्न तो ,
बेरोजगारी शब्द से चमचमाता वो उत्तर लिये,
ललाट पर टिमटिमाता पसीना ,
सूखे होठों पर सदाबहार हल्की वो मुस्कान लिये,
आखिरकार गंतव्य तक जा पहुँचा हूँ ।
फिर से सोचा सिर्फ अपने लिये ,
कि
मैं एक नही ,मेरे जैसे लाखो है ।

दिनेश कुमार कुलदीप
स्वच्छंद कवि एवं लेखक
दायरा , जयपुर, राजस्थान

हिन्दी दिवस

हिन्दी की बिंदी सुन्दर लगती है , ज्यों सुहागिन के माथे बिंदी सजती है ।
अ, आ, अं और के, ख, ग से सारे शब्दों ने लिया जन्म है , हिन्दी का
अस्तित्व अद्भुत, अजर और अमर है ।
हिन्दू- मुस्लिम , सिख - ईसाई आपस में सब भाई - भाई ,हिन्दी ने ये बात सिखाई ।
हिन्दी सब को मन से जोड़ती , हमें सभ्यता की ओर मोड़ती ।
हर हिन्दुस्तानी को प्यार हिंदी से , संस्कृति की पहचान हिंदी से ।
हर दिन, हर पल रहते हम हिन्दी से दूर , विदेशी भाषाएं बोल-बोल कर
उच्च साबित करते हैं , हिंदी में ना बात करके हिंदी को अपमानित करते हैं ।
हिन्दी की बहना उर्दू ने हमको शायरी
सिखाई है , फिर कैसे कह दे
हम हिन्दी अपनी नहीं पराई है ।
हिन्दी बोलने - पढ़ने से भला क्यों आती
हमको शर्म है ,
हिन्दू संस्कृति ही सबसे बड़ा धर्म है ।
मातृभाषा यही है , राष्ट्र भाषा यही है , कैसे
ना हम इसका मान करें
आओ मिल कर सब हिंदी का उत्थान करें ।
एक दिन हिंदी दिवस मना कर तीर क्या कोई मार पाएगा ,
जो है सच्चा हिन्दू वो सदा ही हिंदी के गुण गाएगा ।
सम्मानित करो राष्ट्र भाषा
हम सब की यही अभिलाषा

मौलिक एवं स्वरचित
प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

मर्दो की दुनिया में

मर्दो की दुनिया में
औरत को जीने
के लिए खूंखार
बनना पड़ता है

इस जालिम दुनिया
की भीड़ में खड़ी
एक अकेली औरत को
लड़ना पड़ता है

औरत और मर्द की
दोस्ती चार दिन दिखा
नहीं की ये जालिम दुनिया
वाले न जाने कितने
सवाल खड़ा करता है

पवित्र पाक रिस्ते को भी
न जाने कितने चोला
पहनाता है ....

लेखिका अंजु कुमारी दास
गीतांजलि पूर्णियां बिहार

श्राद्ध

बड़े बंगले की मालकिन ने खूब बड़ा पांडाल लगाया था और न जाने कितने ही पंडितों को श्राद्ध के भोज के लिए आमंत्रित किया था। अनेको तरह के व्यजंन बड़े से थाल में बड़े आदर से उन्हें परोसे गए जिस में दो तीन तरह की पूड़ी, कई सब्जियां, खीर, हलवा, फल, मेवा न जाने क्या क्या। पंडाल के बाहर कितने ही भूखे छोटे छोटे बच्चे ललचाई नज़रो से व्यंजनों और पंडितों को मज़े से खाता देख रहे थे पर ज़रा सी आवाज़ उनके हलक से निकलती कुछ खाने को दे दो तो पंडाल के बाहर तैनात मालकिन के पहरेदार उन्हें भगा देते डांट कर या डंडा दिखाकर। भूखे बच्चे तो बच्चे थे बार बार लौट आते और फिर भगा दिए जाते।

श्राद्ध का विशाल भोज खत्म हुआ तो मालकिन ने उन्हें दक्षिणा में वस्त्र , पैसे, मिठाई के डिब्बे और फल आदि दे विदा किया। पंडितों द्वारा बचा भोजन बाहर फेंक दिया गया जिस पर कई दिनों से भूखे बच्चे टूट पड़े फिर पहरेदार ने जब भगाना चाहा मालकिन ने रोका कहा गरीब बच्चे हैं खाने दो बेकार बचा हुआ खाना ही तो है पहरेदार पीछे हट गए और मालकिन इतराते हुए बंगले में लौट गई।

और बेचारे बच्चे खाना खाते रहे मन भर कर श्राद्ध का भोज ।

मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा

हिंदी भाषा का उत्थान

यह प्रावधान डाला गया था कि दस साल के लिए अंग्रेज़ी काम काज की भाषा रहेगी और हिंदी द्वितीयक भाषा के रूप में रहेगी। साथ ही हिंदी को राजभाषा का दर्जा भी दिया गया था जो आज भी कायम है। मगर इन 72 सालों में भी हिंदी अपने उस गौरव को पा नहीं सकी है जिसकी वो हकदार भी थी और उससे अपेक्षाएं भी लगी थी। आखिर क्या वजहे रही हैं कि हिंदी राजभाषा पद पर शोभायमान होने के बावजूद उपेक्षित हो कर रह गई है? आज अगर नजर डाले तो पाते हैं कि हिंदी सिर्फ गरीब की झोपड़ी तक सिमट कर रह गई है। रसूखदार और अमीर लोग हिंदी में बोलना अपनी शान के खिलाफ समझते हैं उन्हें लगता है कि अंग्रेज़ी में बात करने से ही उनका रोब बढ़ता है। यही मानसिकता आज तक हिंदी को उपेक्षा का शिकार बनने पर मजबूर किए हुए हैं। इस मानसिकता को त्यागे बिना हिंदी को उसका गौरव दिला पाना संभव नहीं है। युवाओं को देखिए उन्हें लगता है जब तक वे अपनी सामान्य बातचीत में भी अंग्रेज़ी के शब्दों का उपयोग नहीं करेंगे तब तक उनकी बातों में असर पैदा नहीं होगा। यही सोच बदलने की जरुरत है। वर्तमान में अनेकानेक संस्थाएं हिंदी को लोकप्रिय बनाने के लिए गंभीरता से प्रयास कर रही है हमें चाहिए कि ऐसी संस्थाओं का हर संभव

सहयोग करें। सोशल मीडिया आज के समय में एक बड़ा प्लेटफार्म बनकर उभरा है जहाँ हिंदी भाषा के उत्थान के समर्पित प्रयास जारी है।

अगर ये प्रयास इसी तरह संगठित हो कर चलते रहे तो निश्चित ही ये राष्ट्र भाषा के लिए बहुत अच्छा होगा। उम्मीद करते हैं आने वाला समय हिंदी के लिए उसके गौरव के पुनर्स्थापना का समय होगा। इसके लिए हमें ना सिर्फ स्वयं प्रयास करने होंगे बल्कि दूसरे लोगों को भी साथ लाना होगा। सरकारी स्तर पर भी गंभीर प्रयासों और पहल की जरुरत है। सरकार को चाहिए कि अधिकाधिक राजकार्य हिंदी में संपन्न हो। साथ ही जो विश्व स्तरीय पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें हैं उनका हिंदी भाषा में अधिकाधिक अनुवाद करवाया जाए। हिंदी साहित्य को समृद्ध करने पर बल दिया जाए। साथ ही सिनेमा और टेलीविजन को भी ये हिदायत दी जाए कि हिंदी के उत्थान में वे भी सहयोगी भूमिका निभाए। समवेत प्रयास ही हिंदी के गौरव को लौटा सकते हैं।

ब्रह्मानंद गर्ग सुजल
शिक्षक, जैसलमेर
राजस्थान।

शीर्षक :- तुम राम हो!

रचना- कविता

तुम राम हो,श्री राम हो,
करुणा के सागर, श्याम हो।
कृपा करो मुझ पर प्रभु,
तुम जग के पालनहार हो।।

देखो ज़रा यहां देव तुम,
दुष्टे भरा संसार है।
छल कपट चलता यहां,
सच्चाई लाचार है।।

ऐसे जंहा में क्या करें,
जहाँ होता भ्रष्ट काम हो।
तुम राम हो श्री राम हो,
करुणा के सागर श्याम हो।।

इस धरा पर आओ ना,
मुझको राह दिखाओ ना।
नासमझ हूँ मैं अभी,
क्या करूँ बताओ ना।।

छाया अंधेरा चारो ओर,
कहीं तो उजाले का नाम हो।
तुम राम हो श्री राम हो,
करूणा के सागर श्याम हो।

देते तुम्ही लेते तुम्ही,
मेरा सर्वस्व तुम्हारा है।
यह जीवन और कुछ नहीं,
बहती हुई जलधारा है।।

मरणावस्था आ जाये तो,
मुख में तुम्हारा नाम हो।
तुम राम हो श्री राम हो,
करुणा के सागर श्याम हो।

सुक जायसवाल
पुरगाँव, छत्तीसगढ़

माँ

तपती दोपहरी में शीतल छांव जैसी मां
काली अंधेरी रातों में पूनम के चांद जैसी मां
कड़वी बातों में मीठी अमराई सी मेरी मां
कठोर अनुभवों में मखमली स्पर्श से मेरी मां
समस्या में भी समाधान ढूंढ लेती मेरी मां
मुश्किलों में भी ढाल बनकर रहती है मेरी मां
जो अंधेरा तो धीरे से मुस्कुरा देती है
मेरी मां
नित्य नई दीप जीवन के रोज जलाती
है मेरी मां
उम्मीदों के लो में नया प्रकाश दिखाती
मेरी मां
हो गर हताश हम हौसला बढ़ाती है
मेरी मां
दुखों की घड़ी में सुखों की छाया करती है मां
राह की मुश्किलों को आसान करती है मां
जब भी हुआ मन यह व्यथित,
आंखें मूंद कर देखा
उंगली पकड़कर नई राह पर
नई उम्मीदों पर ले जाती मेरी मां।।

रीना अग्रवाल
ग्वालियर मप्र

कर्म

कर्म ही महान है, कर्म ही महान है।।
कर्म नियति यहां, कर्म ही विधान? है।

कर्म का लिखा हुआ मिटा के कोई देख ले
कर्म के फल से दूर जा के कोई देख ले
वृक्ष सा विशाल कर्म बीज सा नादान है
कर्म ही महान है।

किसी के हिस्से आंसू हैं कर्म का परिणाम
है
किसी के हिस्से है खुशी कर्म का ईनाम
है
है संक्षिप्त सार कर्म ,कर्म ही वृतांत है
कर्म ही महान है।

ज्ञान से किया जो कर्म सुख को हमने बो दिया
अज्ञानता में करके कर्म सुकून हमने खो दिया
चले प्रकृति जिसपे कर्म का सिद्धांत है
कर्म ही महान है

किया जो प्रारब्ध में आज है वो मिल रहा
कर रहे जो आज हैं कल वही है मिलना
होकर परे साथ जाता शमशान है
कर्म ही महान है।
कर्म ही महान है।

शारदा वरसैया
मनेन्द्रगढ़ छग

प्यारी हिन्दी

हिंदुस्तान के जन-जन की भाषा,
प्यारी हिन्दी है हमारी अभिलाषा ।
राजभाषा के उत्सव में समर्पित,
जग में मान बढ़ाने की जिज्ञासा ।।

जिसकी छांव में पलकर बड़ा हुआ,
कोमल सी वाणी पाकर खड़ा हुआ ।
साहित्य सृजन का शिल्पी बनकर,
पद- दायित्व को संभाले पड़ा हुआ
।।

हिन्दी समारोह का उत्सव प्यारा,
गर्वित पलकों से अद्भुत नजारा ।
फरहाद गर्व मुझे इस कालिंदी का,
गदगद सा प्रफुल्लित दिल हमारा ।।

अमरजीत कुमार ÷फरहाद÷
लेखानगर, नासिक

विकास निर्माण कार्यों को पूर्ण कराने में गति लायें - चंबल कमिश्नर

मुरैना। चंबल संभाग के कमिश्नर श्री आरके मिश्रा ने सभी निर्माण विभागों एवं निर्माण एजेन्सियों को निर्देश दिये है कि वे पूर्ण स्वीकृत और अधूरे निर्माण कार्यो को पूर्ण कराने के कार्य में गति लायें। उन्होंने कहा कि सांसद एवं विधायक निधि से ज्यादा बड़े काम नहीं रहते है, यह सभी कार्य समय-सीमा के अंदर हो जाना चाहिये, लेकिन यह कार्य अभी लंबित है। चंबल कमिश्नर बुधवार को अपने सभाकक्ष में निर्माण विभागों एवं निर्माण एजेन्सियों के अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्री राजेन्द्र सिंह, उप संचालक श्री अशोक निम, सहायक विकास आयुक्त, अतिरिक्त जिला सीईओ श्री गोस्वामी सहित निर्माण विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक को संबोधित करते हुये कमिश्नर श्री मिश्रा ने कहा कि पूर्ण हुये निर्माण कार्यो के पिछले माह पूर्णता प्रमाणपत्र वितरण के लिये कैम्प आयोजित किये गये थे, इन शिविरों के बेहत्तर परिणाम परिलक्षित हुये है। उन्होंने कहा कि जैसे ही संबंधित विभाग को कार्य पूर्ण होता है, तत्काल उसकी सी.सी. जारी कर संबंधित विभाग को हेण्डऑव्हर किया जाये। उन्होंने कहा कि इसी आशय के आगे भी शिविर आयोजित किये जायेंगे। कमिश्नर ने कहा कि ग्रामीण विकास के अन्तर्गत अधिक से अधिक कार्य स्वीकृत कर खोले जाये और जरूरमंदों को निर्धारित मापदण्डों के अनुसार रोजगार उपलब्ध करायें। कमिश्नर ने कहा कि समस्त जनपद सीईओ एवं मनरेगा के तहत संचालित निर्माण कार्यो की समीक्षा अलग से की जायेगी। समीक्षा के दौरान विशेषकर ग्राम पंचायतों में कुल कितने निर्माण कार्य संचालित है, उन पर कितने लोंगो को रोजगार उपलब्ध हो रहा है, इसकी समीक्षा की जायेगी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुये कमिश्नर ने कहा कि संभाग में पिछले वर्ष की तुलना में कम वर्षा हुई है। ऐसी स्थिति में अन्य पेयजल के स्त्रोतो को ढूंढने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिन हेण्डपम्पों पर सिंगल फेस की मोटर की आवश्यकता है, वहां मोटर स्थापित की जाये। बिगड़े हेण्डपम्पों को युद्धस्तर पर सुधारा जाये। उन्होंने कहा कि आगामी उप चुनावों को देखते हुये अधूरी पड़ी नलजल योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करें। उन्होंने बंद पड़ी नलजल योजनाओं को भी शीघ्र चालू कराने के निर्देश दिये। चंबल कमिश्नर ने शान्तिधाम की समीक्षा के दौरान बताया कि मुरैना जिले की 478 ग्राम पंचायतों में 575 शान्तिधाम कार्य स्वीकृत किये थे, जिनमें 332 कार्य पूर्ण किये है, 123 कार्य प्रगतिरत है। भिण्ड जिले में 447 ग्राम पंचायतों में 645 शान्तिधाम स्वीकृत किये गये थे, जिनमें 588 पूर्ण एवं 57 कार्य प्रगतिरत है। इसी प्रकार श्योपुर जिले में 225 ग्राम पंचायतों में 436 शान्तिधाम स्वीकृत किये गये थे, जिनमें 371 पूर्ण एवं 65 कार्य अपूर्ण है। शान्तिधाम को शीघ्र पूर्ण करें।

उद्यानिकी फसलों के क्षेत्र को डबल किया जाये - चंबल कमिश्नर मिश्रा

मुरैना। चंबल संभाग के कमिश्नर श्री आरके मिश्रा ने उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों से कहा है कि चंबल संभाग में उन्नत उद्यानिकी फसलों की अपार संभावनायें है। उद्यानिकी अधिकारियों के यह प्रयास होना चाहिये कि वे उद्यानिकी क्षेत्र में वृद्धि कर इसे डबल करें। उद्यानिकी अधिकारी किसानों को इसके लिये प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी फसलों के क्षेत्र में वृद्धि करने के लिये सरकारी मदद की जरूरत नहीं है, किसान अपने ही संसाधनों से रकवा में वृद्धि कर सकता है, वर्शत उसे उन्नत उद्यानिकी फसलों की तकनीकी का ज्ञान इस तरह से दिया जाये कि वह तत्काल उन्नत उद्यानिकी फसलें लेने को तैयार हो जाये। चंबल कमिश्नर श्री मिश्रा हाल ही में उद्यानिकी विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। समीक्षा के दौरान बताया गया कि वर्ष 2019-20 में उद्यानिकी फसलें 54 हजार 837 हेक्टेयर क्षेत्र में ली गई थी, जिसे इस वर्ष बढ़ाकर 57 हजार 773 हेक्टेयर क्षेत्र में लेना प्रस्तावित किया है। पिछले वर्ष की तुलना में 2 हजार 736 हेक्टेयर क्षेत्र बढ़ाया गया है। जो 5.35 प्रतिशत है। भिण्ड जिले में 11 हजार 187 हेक्टेयर क्षेत्र को बढ़ाकर 11 हजार 747 किया गया है। जो 5 प्रतिशत की वृद्धि है। मुरैना जिले में 17 हजार 606 हेक्टेयर क्षेत्र को बढ़ाकर 18 हजार 680 हेक्टेयर क्षेत्र किया है। जो 6.10 प्रतिशत की वृद्धि है और श्योपुर जिले में 26 हजार 44 हेक्टेयर क्षेत्र को बढ़ाकर इस वर्ष 27 हजार 346 हेक्टेयर क्षेत्र किया गया है जो 5 प्रतिशत की वृद्धि है। मुरैना जिले में वर्ष 2019-20 में 17 हजार 605.50 हेक्टेयर क्षेत्र में 3 लाख 12 हजार 519 मैट्रिक टन का उद्यानिकी उत्पादन लिया गया। इसमें 3 हजार 126.50 हेक्टेयर क्षेत्र में 53 हजार 650 मैट्रिक टन फलों का उत्पादन लिया गया है। 13 हजार 839 हेक्टेयर क्षेत्र में 2 लाख 54 हजार 500 मैट्रिक टन सब्जियों का उत्पादन, 441 हेक्टेयर क्षेत्र में 2 हजार 534.10 मैट्रिक टन मसाला उत्पादन 108 हेक्टेयर क्षेत्र में 1 हजार 866 मैट्रिक टन पुष्प और 10.50 हेक्टेयर क्षेत्र में 45 मैट्रिक टन औषधियों का उत्पादन लिया गया है। भिण्ड जिले में वर्ष 2019-20 में 11 हजार 187 हेक्टेयर क्षेत्र में 1 लाख 84 हजार 459 मैट्रिक टन उद्यानिकी फसलों का उत्पादन लिया गया है। 775 हेक्टेयर क्षेत्र में 14 हजार 766 मैट्रिक टन फलों का उत्पादन, 9 हजार 375 हेक्टेयर क्षेत्र में 1 लाख 62 हजार 825 मैट्रिक टन सब्जियों का उत्पादन, 811 हेक्टेयर क्षेत्र में 5 हजार 200 मैट्रिक टन मसालों का उत्पादन, 140 हेक्टेयर क्षेत्र में 1 हजार 119 मैट्रिक टन फूलों का उत्पादन और 86 हेक्टेयर क्षेत्र में 549 मैट्रिक टन औषधियों का उत्पादन किया है। श्योपुर जिले में 26 हजार 44 हेक्टेयर क्षेत्र में 2 लाख 19 हजार 69 हेक्टेयर मैट्रिक टन उद्यानिकी फसलों का उत्पादन लिया है। 1 हजार 676 हेक्टेयर क्षेत्र में 38 हजार 291 मैट्रिक टन फलों का उत्पादन किया गया है। 6 हजार 939 हेक्टेयर क्षेत्र में 1 लाख 38 हजार 918 मैट्रिक टन सब्जियों का उत्पादन किया है।

संक्षिप्त समाचार

शैक्षिक संवाद अपरिहार्य कारणों से हुआ स्थगित

मुरैना। सत्र 2020-21 में विकासखंड स्तर से ऑनलाइन शैक्षिक संवाद आयोजित किए जाने के निर्देश प्रसारित किए गए थे, लेकिन अपरिहार्य कारणों के चलते यह शैक्षिक संवाद स्थगित किया जा रहा है। राज्य शिक्षा केंद्र के अपर संचालक ओएल मंडलोई ने समस्त डाइट प्राचार्य एवं जिला परियोजना समन्वयकों को पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि आगामी शैक्षणिक संवाद के संबंध में नवीन तिथियां पृथक से जारी की जाएगी।

नवीन पात्रता पर्ची वितरण हेतु नगरीय निकाय प्रिन्ट निकलवाकर वार्ड वार वितरण करावें

मुरैना। प्रदेश सरकार के निर्देशन में 16 सितम्बर को नवीन पात्रता पर्ची वितरण हेतु पात्रता पर्ची डाउनलोड कर प्रिन्ट निकालकर पात्रता पर्ची वितरण नगरीय निकाय वार वितरण किया जाना है। पात्रता पर्ची वितरण क्षेत्रान्तर्गत दुकानवार, वार्डवार पर्ची प्रिन्ट करावें तथा जनपद पंचायत के अन्तर्गत दुकानवार, पंचायतवार प्रिन्ट निकलवाकर संबंधित कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी से हस्ताक्षर कराकर संबंधितों को वितरण करावें।

अनुग्रह सहायता योजना में 2 हजार 852 परिवारों को 56 करोड़ 88 लाख रूपये की सहायता

मुरैना। मुख्यमंत्री (नया सवेरा) संबल योजना के अन्तर्गत चंबल संभाग में पंजीकृत मजदूरों की सामान्य मृत्यु होने पर दी जाने वाली अनुग्रह सहायता में चंबल संभाग के पंजीकृत 12 लाख 21 हजार 807 मजदूरों में से योजना प्रारंभ से लेकर अभी तक 2 हजार 852 मजदूरों की हुई सामान्य मृत्यु पर उनके परिजनों को 56 करोड़ 88 लाख रूपये की मदद दी गई है। श्रम पदाधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुरैना जिले में कुल पंजीकृत 5 लाख 7 हजार 980 मजदूरों में से 1 हजार 282 मजदूरों की सामान्य मृत्यु होने पर उनके परिजनों को 25 करोड़ 58 लाख रूपये की अनुग्रह सहायता राशि दी गई है। इसी तहर भिण्ड जिले में कुल पंजीकृत 4 लाख 42 हजार 852 मजदूरों में से एक हजार 22 मजदूरों की सामान्य मृत्यु होने पर उनके परिजनों को 20 करोड़ 38 लाख रूपये की अनुग्रह सहायता राशि और श्योपुर जिले में कुल पंजीकृत 2 लाख 70 हजार 975 मजदूरों में से 548 की सामान्य मृत्यु होने पर उनके परिजनों को 10 करोड़ 92 लाख रूपये की अनुग्रह सहायता राशि दी गई है।

मुख्यमंत्री के 12 सितम्बर को मुरैना पहुंचने पर पीएचई मंत्री कंषाना ने कार्यक्रम स्थलों का अवलोकन किया

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने भी लिया जायजा

मुरैना। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 12 सितम्बर को मुरैना जिले के 3 स्थानों पर आमसभा में लगभग 463 करोड़ रूपये के लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। जिसमें मुरैना विधानसभा क्षेत्र के गल्लामंडी में 306 करोड़, सुमावली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम छैरा में 70 करोड़, जौरा विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत 56 करोड़ और सबलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के 31 करोड़ से अधिक के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम कैलारस मुख्यालय पर करेंगे। इन कार्यक्रमों की तैयारियां का अवलोकन प्रदेश के पीएचई मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना के साथ कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा और पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया ने किया। निरीक्षण के दौरान पीएचई मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना ने कार्यक्रम की समस्त तैयारियों का अवलोकन किया एवं स्टेप बाई स्टेप बिन्दुवार कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से चर्चा की।

मुख्यमंत्री आज मुरैना जिला मुख्यालय सहित छैरा और कैलारस में आयेंगे

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 12 सितम्बर 2020 को ग्वालियर से प्रात: 9.30 बजे हेलीकॉप्टर से प्रस्थान कर प्रात: 10 बजे मुरैना आयेंगे। मुख्यमंत्री मुरैना पहुंचकर लोकल कार्यक्रम में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान 12.30 बजे मुरैना से हेलीकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर सुमावली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम छैरा पहुंचकर आमसभा को संबोधित करेंगे। श्री चौहान छैरा से दोपहर 2.10 बजे हेलीकॉप्टर से प्रस्थान कर 2.30 बजे गल्लामंडी कैलारस पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री कैलारस में स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात् अपरान्ह 4 बजे कैलारस से प्रस्थान कर 4.30 बजे हेलीकॉप्टर से ग्वालियर पहुंचेंगे।

न्यायालय ने अवैध शराब बेंचने के मामले में मावई ढाबा के संचालक को पुलिस रिमाण्ड पर भेजा जेल

मुरैना। अवैध रूप से ढाबा पर शराब बेचने के मामले में ढाबा संचालक नरेंद्र सिंह तोमर को जेएमएफसी मुरैना न्यायालय ने पुलिस रिमांड पर जेल भेज दिया। मीडिया सेल प्रभरी (अभियोजन) डॉ. रश्मि वैभव शर्मा ने बताया कि, दिनांक 15 जुलाई 2020 को थाना रिठौरा कलां के उ.नि. जितेंद्र सिंह मावई को मुखविर से सूचना मिली कि हाईवे स्थित मावई ढाबा पर अवैध शराब का विक्रय किया जा रहा है सूचना की तस्दीक हेतु हमराही फोर्स को साथ लेकर मौके पर जाकर ढाबे पर दविश दी गई ढाबे का सेल्समैन काउन्टर पर बैठा मिला जो अवैध शराब ढाबे पर आने वाले लोगों को विक्रय कर रहा था। जिसे दस्तयाव किया गया पूछताछ पर उसने अपना नाम मोनू पुत्र अशोक कुमार कुशवाह नि. तारागंज के पास बाली गली गोल पहाडिया ग्वालियर का होना बताया जिसने बताया कि उक्त शराब नरेन्द्र सिहं तोमर नि.हजीरा ग्वालियर मालिक की है जिससे ढाबा किराये पर लेकर चलाता है ढाबा संचालक नरेन्द्र सिहं तोमर की तलाश ढाबे पर की गई जो एक ट्रेक्टर पर बैठकर भागता दिखाई पड़ा मौके पर दस्तयाव संदेही सेल्समैन से पूछताछ में संदेही द्वारा अवैध शराब का ढाबे के नीचे बने तलघर के कमरे में रखा होना बताया।

सेन्ट ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा ग्रामीण बेरोजगार महिलाओं का नि:शुल्क महिला टेलरिंग प्रशिक्षण 15 सितम्बर से

मुरैना। सेन्ट ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान मुरैना द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की बेरोजगार महिलाओं के लिये नि:शुल्क महिला टेलरिंग का प्रशिक्षण 15 सितम्बर मंगलवार से प्रारम्भ किया जा रहा है। जिससे महिलाऐं प्रशिक्षण पश्चात् स्वयं का रोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर हो सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम भारत सरकार के ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रायोजित होकर पूर्णत: नि:शुल्क है। ग्रामीण एवं बीपीएल प्रशिक्षणार्थियों को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी। इच्छुक प्रशिक्षणार्थी जो कि उपरोक्त विषय में प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं, वह शीघ्र ही सेन्ट ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यालय कमिश्नर बंगला के पास रॉयल रेजीडेंसी के पीछे ए.बी. रोड़, मुरैना पर सम्पर्क करें। सीटें सीमित होने के कारण पहले आने वालों को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी। प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरान रहने एवं भोजन की सुविधा भी नि:शुल्क प्रदान की जावेगी।

दुर्घटना में मृत्यु होने पर 313 मजदूरों के परिजनों को मिली 12 करोड़ 48 लाख रूपये की अनुग्रह राशि

मुख्यमंत्री (नया सवेरा) संबल योजना के अन्तर्गत संचालित अनुग्रह सहायता (दुर्घटना में मजदूरों की मृत्यु) पर दी जाने वाली सहायता राशि के अन्तर्गत चंबल संभाग के 313 मजदूरों की मृत्यु होने पर उनके परिजनों को 48 लाख रूपये की अनुग्रह सहायता वितरित की गई है। चंबल संभाग में 12 लाख 21 हजार 807 मजदूर पंजीकृत है। मुरैना जिले में पंजीकृत 5 लाख 7 हजार 980 श्रमिकों में से 127 श्रमिकों की मृत्यु होने पर उनके परिजनों को 5 करोड़ 8 लाख रूपये की अनुग्रह राशि वितरित की गई है। इसी तरह भिण्ड जिले में पंजीकृत 4 लाख 42 हजार 852 श्रमिकों में से 134 श्रमिकों की दुर्घटना में हुई मृत्यु पर उनके परिजनों को 5 लाख 32 हजार रूपये की अनुग्रह राशि और श्योपुर जिले में पंजीकृत 2 लाख 70 हजार 975 श्रमिकों में 52 श्रमिकों की दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनके परिजनों को 2 करोड़ 8 लाख रूपये अनुग्रह सहायता राशि वितरित की गई है।

डिजिटल मार्केटिंग (ऑनलाइन मार्केट) सीखे और लाभ उठायें

मुरैना। उद्यमिता विकास केन्द्र मध्यप्रदेश (सेडमैप) भोपाल द्वारा जिले के उद्यमियों के लिये डिजिटल मार्केटिंग (ऑनलाइन व्यापार) पर आधारित वेबिनार (प्रशिक्षण) का आयोजन 15 सितम्बर 2020 तक अपरान्ह 4 बजे से सायं 7 बजे तक किया जायेगा। डिजिटल मार्केटिंग के संबंध में विषय विशेषज्ञों द्वारा डिजिटल मार्केटिंग कैसे प्रारंभ करें, वेबसाइट कैसे बनायें, मोबाइल मार्केटिंग, ई-मेल मार्केटिंग, ई-कॉमर्स पोर्टल के प्रकार, ई-कॉमर्स बेवसाइट कैसे बनायें, कम समय एवं कम लागत में अपने उत्पाद को लक्षित ग्राहकों तक पहुंचाने के तरीके, अपने उत्पाद की सेवायें शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार करना आदि के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी जायेगी। ऑनलाइन मार्केट से उद्यमियों को शासन द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रयास किये जा रहे है। उसी क्रम में सेडमैप द्वारा डिजिटल मार्केटिंग पर आधारित बेविनार का आयोजन किया जा रहा है। जिससे उद्यमियों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। साथ ही उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता की वस्तुयें निम्न दर पर प्राप्त हो सकें। यह बेविनार में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के उद्यमी, युवा मोबाइल 9893784684 पर अथवा सेडमैप के जिला कार्यालय में अपना पंजीयन करवा सकते है। पंजीयन कराने की अंतिम तिथि 14 सितम्बर नियत है। यह कार्यक्रम की जानकारी सेडमैप के जिला समन्वयक श्री आरके शर्मा द्वारा दी गई है।

युनिक आईडी दिखाने पर दिव्यांग व्यक्तियों को बसों में 50 प्रतिशत की छूट दी जायेगी

मुरैना। परिवहन आयुक्त द्वारा प्रदेश के जिले के सभी क्षेत्रीय अतिरिक्त एवं जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि राज्य शासन द्वारा मध्य प्रदेश के राजपत्र में 24 नवम्बर 2016 को किये गये प्रावधान के तहत समस्त प्रक्रम बस सेवाओं में विभिन्न प्रकार के दिव्यांग व्यक्तियों को प्रभारित किराये में 50 प्रतिशत की छूट दी जायेगी, यदि वे सक्षम प्राधिकारी का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करते हैं।

1 साल बाद भी पी एच ई नहीं लगा पाई हेंडपम्प जनता और भक्त परेशान

पोरसा//गत 1 वर्ष पूर्व पी एच ई विभाग द्वारा खराब घोषित किया गया हैंडपंप को पुन: लगाने का आश्वासन दिया था उस को आज 1 वर्ष पूर्ण हो चुके मगर हैंडपंप आज तक नहीं लगा पाई पीएचई विभाग जनता एवं भक्तों बेहद परेशान काली माता मंदिर सेंधरा अहीर मैं भक्तों की सुविधा एवं ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शासन ने एक हैंडपंप लगाया था जो गत वर्ष खराब हो चुका पीएचई विभाग के कर्मचारी आए उन्होंने चेक किया और उन्होंने रिजेक्ट घोषित कर दिया जिस वक्त रिजेक्ट घोषित किया था उस वक्त 1 महीने के अंदर दूसरा नया हैंडपंप लगाने का आश्वासन भी दिया था उसको आज गुजरे हुए 1 वर्ष हो चुके मगर अभी तक नया हैंडपंप नहीं लगा एवं जनता व भक्त बेहद परेशान हैं विधायक एवं सांसद कोई भी सुनने के लिए तैयार नहीं है सरपंच सुभाष सिंह का कहना है कि हम पीएचई विभाग को कई बार अवगत करा चुके हैं एवं जनपद में भी इसकी सूचना दी जा चुकी है कोई ध्यान नहीं दे रहा है भक्त गण एवं जनता हैंडपंप खराब होने से परेशान हैं शासन को शीघ्र ही इसका निदान करना चाहिए।

प्रधानमंत्री स्व-निधि पाकर सुग्रीव कुशवाह ने फिर से शुरू किया फल लगाने का ठेला

मुरैना। प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना (मुख्यमंत्री पथ विक्रेता योजना) से दस हजार रूपये का ऋण पाकर अंबाह निवासी सुग्रीव कुशवाह फल का ठेला लगाकर बेहद खुश है, सुग्रीव कुशवाह कहते है कि वह पीजी कॉलेज अंबाह के सामने फल का ठेला लगाकर अपना और अपने परिवार का गुजर-बसर कर रहा था, परन्तु कोरोना के चलते लॉक डाउन में उसका यह काम-धन्धा पूर्ण तरह से बंद हो गया था। जमा पूंजी भी रोजमर्रा की जरूरतों के सामान खरीदकर खर्च हो गई थी। मैं आर्थिक रूप से काफी परेशान था। रोजगार को पुन: प्रारंभ करने के लिये मैंने दोस्त यार, आस पड़ौस से कुछ पैसे उधार लेने की सोची तो किसी ने भी सहयोग नहीं किया। इसके बाद मैं एक साहूकार के पास पहुंचा तो साहूकार ने पहले तो 5 रूपये सैकड़ा ब्याज देने की बात कही फिर ज्यादा अपनी मजबूरी दिखाई तो 3 रूपये प्रतिशत सैकड़ा पर ब्याज पर सहमति बनी। इसके लिये भी साहूकार ने दूसरे दिन बाद का समय दिया। ऐसे में मुझे प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना (मुख्यमंत्री पथ पर विक्रेता योजना) के बारे में साथी ठेला लगाने वालों से पता चला, तो मैंने नगर पालिका अंबाह में पहुंचकर सिटी मेनेजर से सम्पर्क कर पथ विक्रेता योजना से अपना पंजीयन करवाया। मुझे इस योजना के तहत बैंक द्वारा मेरे खाते में 7 दिन बाद 10 हजार रूपये का ऋण मिल गया। इससे सुग्रीव ने अब फिर से फल का ठेला लगाकर अपना व्यवसाय प्रारम्भ कर दिया। आज वह बेहद खुश है, कि संकट की घड़ी में प्रधानमंत्री स्व निधि स्टेट वेण्डर योजना से उसे मदद मिली और वह अपना काम धन्धा पुन: शुरू कर सका। ऐसे में प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री का शुक्रिया अदा करता हूं।

अखिल भारीतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा किया गया बृक्षारोपण

सबलगढ़ । नवीन सत्र की नवीन कार्यकारिणी द्वारा आज नगर परिसर के क्ञ्ञद्ध स्कूल प्रांगण, नेहरू डिग्री कॉलेज, गाँधी पार्क, स्वामी विवेकानंद उद्यान के साथ - साथ थाना परिसर एवं जेल परिसर में बृक्षारोपण किया गया... कुल 51 पौधे विद्यार्थी परिषद द्वारा लगाए गए एवं प्रत्येक पौधे की पूर्ण रूप से देखभाल की जिम्मेदारी भी ली एवं जहाँ जहाँ पौधे लगाए गए वहाँ के वरिष्ठ पदाधिकारीयों ने भी साथ में बृक्षारोपण कर विधार्थियो का मनोबल बढ़ाया...बृक्षारोपण के कार्यक्रम में विवेक पाराशर नगर मंत्री, राहुल गुप्ता नगर उपाध्यक्ष, कान्हा सोनी नगर सहमंत्री, रवि शर्मा , सूरज गौर स्न्नस् प्रमुख,सचिन सिंह जादौन, सुनील कुशवाह, सूरज जादौन, अभिषेक राठौर, आकाश जादौन, नितेश बडोनीया, भूपेंद्र भदौरिया, राहुल मंगल एवं जबर सिंह जादौन जी की मुख्य भूमिका रही, साथ - साथ थाना प्रभारी श्री नरेंद्र शर्मा जी एवं जेलर श्री शैलेन्द्र सिंह कुशवाह जी के सहयोग के लिए विद्यार्थी परिषद उनका आभार व्यक्त करता है ।

ताकि स्किन सॉफ्ट

स्किन नेचर को रखें ध्यान

ऑयली स्किन वालों को मॉयश्चराइजर लगाना चाहिए। अकसर ऐसी स्किन में मॉयश्चर की कमी हो जाती है। मॉयश्चराइजर के स्थान पर क्रीम लगाने से स्किन ज्यादा ऑयली हो जायेगी। फेस पर चिपचिपापन महसूस होगा, जिससे चेहरे पर ज्यादा डस्ट बैठेगी। दाने भी निकल सकते हैं। वहीं जिनकी स्किन में ऑयल की कमी हो उन्हें क्रीम लगानी चाहिए। क्रीम ऑयल की कमी को दूर करती है। ऐसी स्किन वालों को मॉयश्चराइजर से बचना चाहिए।

लगाएं एएचए और कोलेजनयुक्त क्रीम

सर्दियों में रात को फेस वॉश करने के बाद 'एएचए' युक्त आवरनाइट क्रीम या मॉयश्चराइजर लगाना चाहिए। यह स्किन को सॉफ्ट बनाती है और ड्राइनेस खत्म करती है। एएचए युक्त क्रीम या मॉयश्चराइजर को दिन में नहीं लगाना चाहिए क्योंकि दोपहर के वक्त इसे लगाने से सूरज से पिगमेनटेशन होने की आशंका रहती है। सुबह के वक्त कोलेजन युक्त क्रीम और मॉयश्चराइजर लगाएं।

लगाएं सही पोर्शन में क्रीम

क्रीम हमेशा ऊपर और बाहर की तरफ लगानी चाहिए। लोग अकसर खुद को और बच्चों को भी रगड़-रगड़ कर लगाते है, जो गलत तरीका है। फेस पर सॉफ्ट हाथों से क्रीम लगानी चाहिए। आखिर यह आपका फेस है, जिसे आपको पूरी लाइफ कैरी करना है।

सर्दियों में लगाएं सनगार्ड

सर्दियों में हम सनगार्ड लगाना छोड़ देते हैं। लेकिन इस मौसम में सबसे ज्यादा टैनिंग होने की संभावना रहती है। क्योंकि इस मौसम में लोग खूब धूप सेकते हैं, जिसकी वजह से स्किन टैन हो जाती है। सुबह के वक्त नहाने के बाद कोलेजन क्रीम लगा लें और बाहन निकलते समय सनबैन।

इस्तेमाल करें क्रीमयुक्त फेस वॉश

इस मौसम में ट्रांसपेरेंट कॉस्मेटिक न यूज करें। क्योंकि इसमें मॉयश्चराइजर और ऑयल बहुत कम होता है। क्रीम बेस्ड फेस वॉश यूज करें। क्लिंजिंग मिल्क जरूर यूज कीजिए और उसके बाद गुनगुने पानी के साथ फेस वॉश से चेहरा धोइए।

ऑयलयुक्त बॉडी वॉश

ऑयल या मॉयश्चरबेस्ड बॉडी वॉश यूज करें। नहाते समय बॉडी ऑयल डालकर नहायें या फिर नहाने से पहले बॉडी ऑयल लगा लें।

नोट: घरेलू इलाज में आप चेहरे पर हनी और हल्दी मिक्स करके लगाएं। इससे स्किन सॉफ्ट हो जाती है। खाने-पीने का ध्यान रखें। ऑयली फूड बढ़ा लीजिए पर अगर आप फैटी हैं तो पहले वाली डाइट पर ही रहिए। ऐसी चीजें लीजिए, जिसमें ऑयल हो पर फैट न हो। जो कोलेस्ट्रोल न बढ़ाता हो।

मूंगदाल हलवा

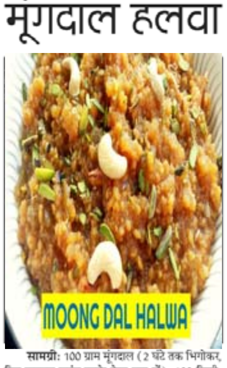

सामग्री: 100 ग्राम मूंगदाल (2 घंटे तक भिगोकर, फिर छानकर ग्राइंड करके पेस्ट बना लें), 100 मिली. घी, 100 ग्राम शक्कर, 1/4 लीटर दूध, चुटकीभर केसर (हल्के गर्म दूध में भिगोया हुआ), गार्निशिंग के लिए बादाम और पिस्ता के टुकड़े।

विधि: कड़ाही में घी और मूंगदाल का पेस्ट डालकर धीमी आंच पर गुलाबी भूरा होने तक भूनें। दूध को उबालकर मूंगदाल के मिश्रण में मिलाएं। दूध सूखने पर शक्कर मिलाकर भूनें। जब कड़ाही घी छोड़ने लगे, तब आंच पर से उतार लें। केसर और ड्रायफ्रूट्स से गार्निश करके गरमागरम सर्व करें।

मेरी मम्मी सुपर मॉम

कहते हैं, हर प्राणी में भगवान का अंश होता है, लेकिन 'मां' का तो कहना ही क्या ! उसका तो समूचा व्यक्तित्व ही देवी सरीखा होता है। मां का स्वरूप इतना विस्तृत है कि वेद-पुराण भी मां की ममता और करुणा की गाथा कहते नहीं थकते। मां, जो एक बच्चे को जन्म देती है, उसे पाल-पोसकर बड़ा करती है, उसके लिए एक भावनात्मक सहारा होती है। मां की भूमिका को लेकर फिल्म जगत में न जाने कितनी फिल्में बनीं, तो वहीं साहित्य जगत में मां की भूमिका को लेकर बहुत कुछ लिखा गया। दूसरी तरफ मां है, जो एक साथ कई तरह की भूमिकाओं का निर्वहन एक साथ करती है यानी वह ऐसे मदारी की भूमिका में होती है, जिसके हाथ में एक साथ 5-6 गेंदें होती हैं। बड़ी कुशलता से जिनमें से कुछ को वह अपने हाथ में रखती है, तो कुछ को आसमान में उछालती है। कितने अजब ढंग से वह इनके बीच एक संतुलन कायम किए रहती है।

लेकिन, आज की मां का स्वरूप कुछ बदला-बदला सा है। बच्चे, परिवार, करियर और साथ में अपना स्वास्थ्य और इससे भी बढ़ कर न जाने कितनी जिम्मेदारियों का बोझ उठाती है आज की मां। अब यह गुजरे जमाने की बात हो गई है, जब महिला सीमित परिवार के दायरे में रहकर काम करती थी। घर पर रहकर बच्चों की देखभाल करना, शाम को काम से थके-मांदे पति का इंतजार करना, पति की सेवा करना ही उसकी दिनचर्या में शामिल था। आज महानगरों में ही नहीं, बल्कि छोटे शहरों में भी कामकाजी महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ये कामकाजी माएं एक साथ कई मोर्चा पर डटी रहती हैं। एक ओर वह ऑफिस में रहकर अपने पुरूष प्रतिद्वंद्वियों के बीच खड़ी अपने काम को बेहतर ढंग से करने का प्रयास करती है। पूरे दिन प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना, डेडलाइंस से जूझना और शाम को कॉकटेल में क्या पहनना है, के बीच उसका जीवन गुजरता है। यही सुपर लेडी शाम को जब घर लौटती है, तो पूरे जोशो-खरोश के साथ बच्चों की देखरेख करती है, उनकी जरूरतों का ख्याल रखती है, घर के बजट के बीच संतुलन कायम करती है और बच्चों के होमवर्क की जिम्मेदारी उठाती है। बच्चों के स्कूल में फंक्शन के लिए फैंसी ड्रेस तैयार करना और सास-ससुर को वीकएंड पर डिनर के लिए साथ ले जाना, ये सब उसी की जिम्मेदारी है— ये है आज की सुपर मॉम। न जाने कितनी जिम्मेदारियों के बीच उसे संतुलन कायम करना होता है। नतीजा यह होता है कि एक उम्र के बाद स्ट्रेस में लगातार रहने के कारण उसे स्वास्थ्य संबंधी कई परेशानियों से जूझना पड़ता है। यह तो तय है कि कामकाजी महिला को गैर-कामकाजी महिला की तुलना में कहीं ज्यादा जिम्मेदारियां उठानी पड़ती हैं। यदि आप भी ऐसी ही कामकाजी महिला हैं, तो अपने जीवन को किस तरह अच्छे ढंग से चलाएं, जिससे आगे चलकर स्वास्थ्य संबंधी कई तरह की समस्याओं से न जूझना पड़े। यह जानना आपके लिए बेहद जरूरी है।

क्या आप भी उन महिलाओं में शामिल हैं, जो अपने काम को बेहतर ढंग से अंजाम देने के लिए अपना एक तयशुदा शेड्यूल बनाती हैं और उस पर किसी भी स्थिति में डटे रहने की कोशिश करती हैं? काम के समय पर पूरा न हो पाने की चिंता में ऐसी महिलाएं तनावग्रस्त हो जाती हैं, लेकिन इसके भी काफी फायदे हैं। अपने रोज के कामों को बेहतर ढंग से करने के लिए खुद का भी ध्यान रखना जरूरी है। अधिकतर वकिंग मॉम मैनेजर्स अपने रूटीन का एक बिजनेस कैलेंडर बना लेती हैं, जिसमें मीटिंग्स और डेडलाइंस को पहली प्राथमिकता देती हैं। वह यह भूल जाती हैं कि करियर वूमन के साथ वह एक हाउसवाइफ भी है। वह इस कैलेंडर में अपने निजी जीवन के लिए कम समय निकाल पाती हैं। रिश्तेदारों के जन्मदिन, बच्चों के वैक्सीनेशन को कम प्राथमिकता दी जाती है। ऐसा करने की बजाय अपने फैमिली कैलेंडर और ऑफिस प्लानर को एक-दूसरे से अलग रखना चाहिए।

करियर वूमन को अलग-अलग भूमिकाएं निभाने में लंबी जद्दोजहद करनी पड़ती है। कई तरह के कामों को करने के बाद अक्सर एक उम्र तक पहुंचते-पहुंचते याद्दाश्त कम हो जाती है। यह भी देखा गया है कि बेहद अनुशासित रहने वाली मॉम भी याद्दाश्त के मामले में धोखा खा जाती है, जिसकी वजह से उनके काम गड़बड़ा जाते हैं। इस स्थिति से बचने के लिए जहां-जहां आपकी नजर ज्यादा रहती है, वहां उन कामों को याद रखने के लिए स्लिप चिपकाएं। इसके लिए डैशबोर्ड, कार या बाथरूम के शीशे भी बेहतर जगह हो सकते हैं, जहां आप किए जाने वाले कामों को चिन्हित करके रखें। यदि कोई महत्वपूर्ण डॉक्यूमेंट कहीं लेकर जाना है तो उसे अपने ब्रीफकेस में पहले से ही रखें। यदि आपको अपनी याद्दाश्त पर बहुत कम भरोसा है, तो बच्चों से कहें कि वह किसी विशेष काम को या किसी विशेष चीज को विशेष समय पर याद दिलाएं।

क्यों रूक जाते हैं कदम

किसी भी दफ्तर के मैनेजर केबिन में झांक कर देखें तो आधी दुनिया की संख्या कम ही नजर आती है। आखिर क्या ऐसा कारण है कि पूरे जोश के साथ आगे बढ़ने वाली महिलाएं ऊंचे पद पर आसीन नहीं हो पातीं। इस प्रश्न को हमने कुछ महिलाओं से जानने का प्रयास किया-

प्रियंका श्रीवास्तव (ब्यूटिशियन) - हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं लेकिन उच्च पदों पर आसीन इसलिए नहीं हो पाती क्योंकि शादी के बाद उनके ऊपर इतनी जिम्मेदारियां बढ़ जाती है कि बढ़ते कदम रुक जाते हैं उनके टेलेन्ट को जंग लग जाती है। ऊंचे पद पर पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत, लगन तथा डेडीकेशन की आवश्यकता होती है। इनके लिए समय की आवश्यकता होती है, जो महिलाएं शादी के बाद नहीं दे पातीं और ऑफिस में सिर्फ साधारण कर्मचारी रह जाती है।

तनु सिंह (समाज सेविका)- पुरुष वर्ग को यह बात रास नहीं आती कि महिलाएं हमारे समकक्ष अथवा हमसे ऊंचे पद पर आसीन हों। इस कारण उनकी राहों में तरह तरह की दिक्कतें पैदा करते हैं। क्योंकि पुरुष महिलाओं को हमेशा नीचे ही देखना चाहता है। जब महिलाओं के सामने इस तरह की दिक्कतें आती हैं तो वे भावुक होकर अपने जोश के साथ बढ़ते कदमों को पीछे ले लेती हैं।

कविता द्विवेदी (वर्किंग वुमेन)- मुझे नहीं लगता कि आज के समय में स्त्रियों के बढ़ते कदम रुक जाते हैं। महिलाएं पुरुषों से आगे निकल चुकी हैं, उनके बढ़ते कदमों को कोई रोक नहीं सकता। स्त्री ही शादी के बाद अथवा अन्य जिम्मेदारी आने पर अपने कदमों को रोक देती हैं। लेकिन अगर वे चाहें तो आगे बढ़ सकती हैं। शादी के पहले उसे यह बात कर लेनी चाहिए कि मैं अपने करियर से कोई समझौता नहीं करूंगी। मौका मिला तो आगे भी जाऊंगी। इस तरह परिवार और करियर दोनों को समय दे सकती हैं।

विभा पाण्डेय (गृहणी)- कहना बहुत ही आसान है कि करियर से मैं समझौता नहीं करूंगी, अपने करियर में कुछ करके दिखाऊंगी पर जब घर परिवार की सच्चाई और पति, परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियां आती हैं तो अपने आप जिन्दगी से समझौता कर लेते हैं। एक और बात यह भी है कि अगर पति तथा परिवार का सपोर्ट मिले तो महिलाएं भी उच्च पद आसीन हो कर अपनी पहचान बना सकती हैं। यह सपोर्ट महिलाओं को प्यार से मिल सकता है, न कि झगड़ा करके।

जानवी शुक्ला (अध्यापिका)- महिलाएं चाहें तो वे कुछ भी कर सकती हैं। उच्च पदों पर आसीन भी हो सकती हैं और अपनी ख्याति पूरे देश में फैला सकती हैं। लेकिन महिलाओं का सबसे बड़ा दुश्मन है, उनका इमोशनल होना। जैसे ही उनके पति बच्चों की देखभाल तथा पढ़ाई लिखाई की बात आती है, वैसे ही वे अपने करियर को बलिदान कर देती हैं लेकिन पुरुष नौकरी तथा आगे बढ़ने के क्रम को नहीं छोड़ता। महिलाएं जिन्दगी में बलिदान देती रहती है, यही कारण है कि आगे नहीं बढ़ पातीं।

हेल्थ प्लस

मानसिक अवरोध राकते हैं महिलाओं को एक्सरसाइज से

आपका वजन सामान्य से अधिक है और व्यायाम से बचने के लिए आप हमेशा कोई बहाना खोजती हैं, तो इसमें आपका कोई दोष नहीं। क्योंकि यह अवरोध मानसिक है, जो आपके प्रयासों को बाधित कर रहा है।

एक अंतरराष्ट्रीय दल ने अध्ययन किया और पता लगाया कि अधिक वजनी महिलाओं को अकसर 'व्यायाम से डर' होता है और उन्हें सक्रिय रहने से रोकता है, क्योंकि ऐसा करते समय महिलाएं अधिक सचेत हो जाती हैं और चोटिल होने के डर से चिंतित रहती हैं।

शोधकर्ताओं के अनुसार, ये मानसिक बाधाएं ही वास्तविक समस्या है जिन्हें दूर कर मोटी महिलाओं को व्यायाम के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। टैंपल विश्वविधालय की प्रमुख शोधकर्ता मैलिसा नापोलितानो ने कहा, 'पहली बार हम यह जान सके हैं कि क्या चीज है, जो महिलाओं को जरूरी गतिविधियों में शामिल होने से रोकती है। कुछ लोगों के लिए यह बहानों के समान हो सकती है, लेकिन ये वास्तविक समस्या है।'

उन्होंने कहा, 'वजन कम करने के बारे में आम धारणा है कि कम खाने और अधिक व्यायाम करने से यह आसान हो जाता है, लेकिन वजन घटाना आसान होता, तो मोटापा आज की तरह घातक नहीं होता।' शोधकर्ताओं ने 47 वर्ष की औसत आयु वाली 278 महिलाओं पर अध्ययन करने के बाद यह तथ्य उजागर किया।

'द डेली टेलीग्राफ' की खबर के अनुसार इस अध्ययन में सामान्य वजन और सामान्य से अधिक वजन वाली महिलाओं को शामिल किया गया। इन महिलाओं से पूछा गया कि व्यायाम करने से उन्हें क्या चीज रोकती है। तीन महीने के बाद मोटी महिलाओं ने व्यायाम न करने के लिए सामान्य वजन वाली महिलाओं की अपेक्षा ज्यादा कारण बताए।

ऐसे पाएं कब्ज से राहत

बदलती जीवन शैली और खानपान की आदतों में व्यक्ति परिष्कृत भोजन का अधिक सेवन कर रहा है जिसमें रेशे की मात्रा का अभाव होता है। सब्जियां, फल, साबुत अनाज आदि का व्यक्ति को अधिक सेवन करना चाहिए क्योंकि ये रेशे का उत्तम स्रोत हैं। हमारे सम्पूर्ण शरीर के स्वास्थ्य के लिए व्यायाम बहुत आवश्यक है।

व्यायाम व शारीरिक श्रम के अभाव में भी कब्ज की शिकायत हो सकती है। आंतों की सही कार्यप्रणाली के लिए पानी बहुत आवश्यक है। पानी की कमी से भी कब्ज हो सकता है। कई प्रकार की दवाएं भी कब्ज कर सकती हैं। कुछ दवाएं उन स्नायुओं को प्रभावित करती हैं जो आंतों की कार्यप्रणाली को नियंत्रित करते हैं। इन दवाओं के कारण भी आंतें कमजोर हो जाती हैं। कब्ज रोग से कुछ बातों को ध्यान में रखकर बचा जा सकता है:-

- आवश्यकता से अधिक खाना और आवश्यकता से कम खाना, दोनों से कब्ज बनते हैं।
- भोजन को सही ढंग से चबाएं और टी.वी. देखते समय व पढ़ते समय भोजन न करें।
- आलू और भिंडी का सेवन कम करें।
- मैदे का सेवन भी कम करें क्योंकि अत्यधिक परिष्कृत होने के कारण इसमें रेशा नहीं के बराबर होता है और यह कब्ज का कारण बनता है।
- दिन में 10-12 गिलास पानी अवश्य पिएं। सुबह खाली पेट एक गिलास पानी पी लेने से भी कब्ज की शिकायत नहीं रहती।
- अल्कोहल का अधिक सेवन भी पाचन को प्रभावित करता है इसलिए अल्कोहल का सेवन कम से कम करें।
- तम्बाकू, बीड़ी, सिगरेट, पान मसाला आदि का सेवन न करें।
- अधिक मात्रा में चाय और कॉफी का सेवन भी न करें। खाली पेट चाय बिल्कुल न लें। बेड-टी आपके लिए हानिकारक हो सकती है।
- मीट, मछली, मुर्गा, अंडे का सेवन भी कब्ज कर सकता है।

डिप्रेशन का एक दौर आपके लिए शुभ भी हो सकता है

डिप्रेशन का एक दौर आपके लिए शुभ भी हो सकता है, एक प्रमुख मनोचिकित्सक ने यह दावा किया है। लंदन के एक मनोचिकित्सा संस्थान के विशेषज्ञ डॉ. पॉल कीडवेल कहते हैं कि डिप्रेशन से गुजर रहे व्यक्ति के लिए कठिनाइयां पैदा होंगी, उसे बहुत नाजुक दौर से गुजरना पड़ेगा किन्तु इस दौर से गुजरने के बाद वह एक अधिक दृढ़ व कठिनाइयों से जल्द उबरने की क्षमता से युक्त व्यक्ति के रूप में जाना जाएगा। उनका यह भी मानना है कि इससे व्यक्ति में सृजनात्मकता का भी सृजन हो सकता है।

गौरतलब है कि डिप्रेशन के प्रति डॉक्टरों व दवा कंपनियों के रूखों पर सवालिया निशान लगता रहा है कि ये रोगियों को डिप्रेशन का शिकार बताने में जल्दबाजी दिखाते हैं तथा फिर इसका प्राय: हानिकारक दवाओं के साथ महंगा इलाज करते हैं। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि तकरीबन 25 प्रतिशत लोग अपने जीवन में कभी न कभी डिप्रेशन का शिकार होते हैं। ब्रिटेन में पिछले वर्ष करीब सवा तीन करोड़ लोगों को डिप्रेशन का शिकार के रूप में डायग्नोस किया गया। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि ब्रिटेन को प्रतिवर्ष करीब 17 अरब पौंड का नुकसान डिप्रेशन के कारण होने वाले मानव दिवसों की हानि व उत्पादकता में होने वाले कमी के कारण उठानी पड़ती है।

डॉ. पॉल कीडवेल ने यह भी बताया कि मानव का इस मन:स्थिति के साथ हजारों वर्षों पुराना नाता है और संभव है इसने मानव के इवोल्यूशन (उद्विकास) में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो। लोग इसे एक डिफेक्ट के रूप में देखते हैं जबकि मैं इसे डिफेन्स मेकानिज्म के रूप में देखता हूं। नीदरलैंड में हाल में हुए एक शोध में भी यह निष्कर्ष सामने आया कि उनलोगों ने सामान्य लोगों की तुलना में अपनी समस्याओं के साथ बेहतर ढंग से निपटा जो डिप्रेशन के दौर से उबर चुके थे। हालांकि सभी के साथ ऐसा नहीं हुआ। डिप्रेशन के शिकार कुछ लोगों की स्थिति और भी खराब हो गई, खासकर ऐसे लोगों की जो एकाकी रहे या फिर शराब या ड्रग्स की लत के शिकार हो गए।

मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करती थायरॉयड ग्लैंड

थायरॉयड हॉरमोन हमारे मेटाबॉलिज्म को कंट्रोल करता है। थायरॉयड कम होने से ऊर्जा का स्तर कम हो जाता है। ठंड के प्रति सहनशीलता कम हो जाती है तथा वजन बढ़ने लगता है। यह हॉरमोन हृदय की धड़कन को नियंत्रित करते हैं। शरीर का तापमान, मांसपेशियों की गतिविधि तथा कैलोरीज को जलाने में सहायक होते हैं। लेकिन यदि ये हॉर्मोंस ठीक से जलाने में सहायक होते हैं। लेकिन यदि ये हॉर्मोंस ठीक से स्रावित न हों तो अनेक प्रकार की समस्या हो सकती हैं। ये समस्याएं हारमोंस के कम स्राव (हाइपोथायथरायजिज्म) अथवा हॉर्मोंस के अतिसक्रिय हाइपर थायरायजिज्म के कारण होती हैं।

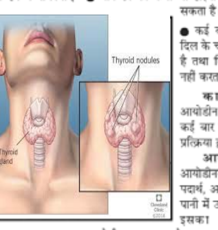

थायरॉइड ग्लैंड-तितली के आकार की यह ग्रंथि हमारी गर्दन में 'टेटुएं' के इधर-उधर स्थिति होती है। एक आउंस से भी कम वजन वाली यह ग्रंथि अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इससे होने वाले स्राव का प्रभाव आश्चर्यजनक होता है। लेकिन कम सक्रिय होने पर कम स्रावित होता है। कम सक्रिय होने पर कम हारमोन स्रावित करती है, जिससे मेटाबालिज्म धीमे हो जाता है लेकिन अतिसक्रिय होने पर भी यह नकारात्मक असर दिखता है।

लक्षण- हाइपोथायरॉयजिज्म के मामले में लक्षण बहुत ही सामान्य तथा बढ़ती उम्र में जुड़े होते हैं। इसी कारण अकसर शुरूआती दौर में इन्हें पकड़ना मुश्किल होता है। हर समय थकावट, सुस्ती, आलस महसूस होता है। हृदय की धड़कन व धीमी हो जाती है। मांसपेशियों में अकड़न तथा दर्द होने लगता है। त्वचा रूखी तथा बाल झड़ने की शिकायत भी आमतौर पर पाई जाती है। कई बार पेट भी साफ नहीं होता तथा कब्ज की शिकायत होने लगती है। पैरों और मुंह पर सूजन आ सकती है।

- महिलाओं में इस हॉरमोन की कमी से अनियंत्रित मासिक धर्म होने लगता है तथा कई बार गर्भ भी नहीं ठहरता।
- यदि गर्भावस्था के समय कमी हो तो बच्चे की ग्रोथ पर भी असर पड़ता है। जन्म के समय बच्चा अविकसित शरीर और दिमाग वाला हो सकता है।
- बुजुर्गा में अकसर डिप्रेशन की शिकायत हो सकती है।
- आवाज में भी भारीपन आ जाता है।
- यौनेच्छा की कमी भी हाइपोथायरॉयड का लक्षण हो सकता है।
- कई बार स्थिति बिगड़ने पर दिल के चारों तरफ पानी भर जाता है तथा दिल सही ढंग से काम नहीं करता है।

कारण- यह बीमारी आयोडीन की कमी से होती है। कई बार यह इम्यून सिस्टम की प्रक्रिया द्वारा भी होती है।

आयोडीन के स्रोत- आयोडीनयुक्त नमक समुद्री भोज्य पदार्थ, आयोडीनयुक्त नमक और पानी में उत्पा होने वाली सब्जियां इसका अच्छा स्रोत है। आयोडीनयुक्त नमक तो जरूर प्रयोग करना चाहिए।

जांच- यदि बीमारी के लक्षण काफी हद तक मौजूद हो तो डॉक्टर से सलाह करके सामान्य जांच टी एस.एच करवा लेनी चाहिए। इससे हॉर्मोंस की गड़बड़ी का पता चलने पर अन्य जरूरी जांच कराई जाती है। इससे मरीज को मॉनिटर भी किया जाता है।

इलाज- बीमारी का असर कष्टकारी होता है लेकिन इसका इलाज एकदम साधारण है। टीएसएच के स्तर के अनुसार मरीज की दवा की डोज निश्चित की जाती है। मरीज को नियमित समयान्तराल पर चेकअप कराना जरूरी होता है। उसी से दवा कम या ज्यादा की जाती है।

मधुमेह को नियंत्रित कैसे करें

उपलब्ध कार्बोहाईड्रेट पदार्थ में एक ही मात्रा का सेवन करने से विभिन्न श्रेणियों का मधुमेह पर प्रभाव पड़ता है। यह पदार्थ के गलाईस्मिक इन्डैक्स पर निर्भर करता है। उदाहरणत: 100 ग्राम आलू का सेवन या 100 ग्राम सब्जी (हरी) का सेवन हमरे 'ब्लड शुगर' को अलग-अलग ढंग से प्रभावित करता है।

अत: कम गलाईस्मिक इन्डैक्स के पदार्थ की जानकारी रोगों के लिए अत्यंत आवश्यक मानी जाती है। इस श्रेणी में ऐसे पदार्थ आते हैं जो भरपेट और कम कैलोरी प्रदान करते हैं, जिनमें हरी सब्जियां, संतरा और मौसमी फल माने जाते हैं। ऐसे पदार्थ शरीर के वजन को भी कम करने में सहायक होते हैं।

पदार्थ का गलाईस्मिक इन्डैक्स उस के बनाने पर भी निर्भर करता है। हमारे देश में एक ही पदार्थ को बनाने की विभिन्न विधियां प्रचलित हैं जैसे कोई उबाल कर, कोई भून कर तथा कोई तल कर सेवन करता है। एक मधुमेह के रोगी को भी यह ज्ञान होना चाहिए कि उसे पदार्थ का सेवन कैसे करना है? यह विधि ऐसी होनी चाहिए कि कम से कम तेल या घी उस विधि में प्रयोग हो और पदार्थ स्वादिष्ट भी बने।

यदि मधुमेह का रोगी अपने भोजन में (लो गलाईस्मिक इन्डैक्स) के सिद्धांत को अपनाता है तो उसे निश्चित रूप से लाभ प्राप्त होगा। जैसे :-

अंकुरित अनाज व दालें, सलाद में सब्जियां जैसे खीरा, ककड़ी और बिना छिलका उतारे फल जैसे सेब इत्यादि।

अत: रोगी यदि उपरोक्त सिद्धांतों को अपनाता है तो उसे मधुमेह नियंत्रण में निश्चय ही लाभ प्राप्त होगा।

चीन के जिंग्यांसू प्रांत में फुटबॉल सुपर लीग (सीएसएल) में भाग लेते हुए खिलाड़ी।

धोनी ने अभ्यास मैच में लगाया शानदार छक्का

दुबई। चेन्नै सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने आईपीएल के लिए अभ्यास मैच के दौरान एक लंबा छक्का लगया है। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें धोनी अभ्यास मैच में मैदान के बाहर शानदार छक्का लगाते दिखे हैं। इस दौरान सलामी बल्लेबाज मुरली विजय सीमा रेखा पर थे और वह भी धोनी के इ स शॉट को देखकर हैरत में पड़ गये। विजय ने कहा कि इस शॉट में गजब की टाइमिंग या ताकत थी, यह तो समझ नहीं आया पर साफ था कि इसमें गेंदबाजों के लिए कोई अवसर नहीं था। गेंदबाज इसमें ज्यादा कुछ नहीं कर सकते थे। सीससके पिछले कुछ समय से परेशानियों से ग्रस्त रही है। पहले उसके दल के 13 सदस्य संक्रमित हुए। उसके बाद उपकप्तान सुरेश रैना और अनुभवी ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने निजी कारणों से टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया। ऐसे में धोनी पर जिम्मेदारी और बढ़ गयी है। धोनी ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है पर इस अभ्यास मैच में वह पूरी तरह फिट नजर आये। सीएसके ने हरभजन और रैना के विकल्प नहीं तय किये हैं। माना जा रहा है कि विजय को रैना की जगह उतारा जा सकता है। आईपीएल के शुरुआती मैच में सीएसके का सामना मुंबई इंडियंस से होगा।

अमेरिकी ओपन के फाइनल में पहुंची अजारेंका और ओसाका, सेरेना बाहर

न्यूयार्क। अमेरिकी ओपन टेनिस में अनुभवी खिलाड़ी सेरेना विलियम्स का सफर समाप्त हो गया है। सेरेना को सेमीफाइनल मुकाबले में विक्टोरिया अजारेंका ने 1-6, 6-3, 6-3 से हराया। इसी के साथ ही सेरेना का 24 वां खिताब जीतने का सपना टूट गया है। अब खिताबी मुकाबले में अजारेंका का सामना जापान की महिला टेनिस स्टार नाओमी ओसाका से होगा। इससे पहले एक अन्य मुकाबले में ओसाका ने अमेरिका की जेनिफर ब्राडी को 7-6 (1), 3-6, 6-3 से हराया। सेरेना को टखने में दर्द के कारण अजारेंका के खिलाफ मुकाबले में 'टाइम आउट' भी मिला। अजारेंका ने पहला सेट हारने के बाद अच्छी वापसी करते हुए भी बाकि दो सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। इसके बाद अजारेंका ने दूसरे सेट में लगातार पांच गेम जीते और फिर तीसरे सेट में 3-0 की बढ़त बनाकर अपनी विरोधी खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया। अजारेंका ने बेहतरीन अंदाज में वापसी की। उन्होंने दूसरे सेट में 12 विनर्स लगाये और केवल एक गलती की। अजारेंका ने जीत पर उत्साहित होते हुए कहा कि खिताबी मुकाबले तक पहुंचने के लिये आपको सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को हराना होता है।

रैना की अनुपस्थिति में मुरली विजय को अवसर मिले : वॉटसन

दुबई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने कहा है कि अनुभवी खिलाड़ी सुरेश रैना की अनुपस्थिति में बल्लेबाज मुरली विजय को अवसर दिया जाना चाहिये। वाटसन के अनुसार उनकी टीम को रैना की कमी खलेगी पर टीम के पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं, इसलिए वह अब भी खिताबी दावेदार बनी हुई है। रैना निजी कारणों से आईपीएल से नाम वापस लेकर स्वदेश लौट गये थे। उनके बाद दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने भी निजी कारणों से टीम से अपना नाम वापस ले लिया था। वॉटसन के अनुसार रेना और हरभजन की भरपाई करना कठिन रहेगा पर टीम के लिए राहत भी बात यह है कि वह अब भी अन्य टीमों की तरह ही मजबूत है। उन्होंने कहा कि रैना की भरपाई करना मुश्किल इसलिए हैं क्योंकि वह आईपीएल टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। आईपीएल के इतिहास में रैना ने सबसे ज्यादा मुकाबले भी खेले हैं।

स्मिथ ने विराट को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बताया

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली को सबसे बेहतर बल्लेबाज बताया है। स्मिथ ने कहा कि एकदिवसीय क्रिकेट में विराट वर्तमान समय में आईसीसी के नंबर एक बल्लेबाज हैं। स्मिथ ने यह बात अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम एकाउंट पर दी। भारतीय कप्तान ने अपने 12 साल के क्रिकेट करियर के दौरान 248 एकदिवसीय मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने सबसे अधिक 59.34 के औसत से 11 हजार 867 रन बनाए हैं। जिसमें 43 शतक और 58 अर्धशकत भी शामिल हैं। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 183 रनों का रहा है। विराट महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा 49 एकदिवसीय शतकों के रिकार्ड से केवल सात शतक पीछे हैं। जिस तेजी से वह रन बनाते आये हैं उसको देखते हुए इस साल के अंत में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे में उनके पास सचिन का रिकार्ड तोड़ने का अच्छा अवसर है।

आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करेंगे शुभमन : कार्तिक

दुबई। आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान दिनेश कार्तिक को उम्मीद है कि युवा बल्लेबाज शुभमन गिल टीम के लिए शानदार प्रदर्शन करेंगे। कार्तिक के अनुसार शुभमन आईपीएल में एक चमकता सितारा बनकर उभरेंगे। कार्तिक के साथ ही इस उभरते बल्लेबाज पर टीम प्रबंधन को भी काफी भरोसा है। आईपीएल के दो सत्र में अभी तक केकेआर के इस मध्यक्रम के बल्लेबाज ने कुछ यादगार प्रदर्शन किए हैं। उन्होंने 2018 में चेन्नै सुपर किंग्स के खिलाफ 57 रन की शानदार पारी खेली थी। इस पारी से उन्होंने संकेत दिया था कि वह विश्व स्तरीय गेंदबाजी के खिलाफ भी खेलने की क्षमता रखते हैं।

वहीं अगले सत्र में उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स और किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ शानदार अधर्शतक लगाए थे। उनकी इन्हीं पारियों से टीम प्रबंधन का उन पर भरोसा और बढ़ा है। ऐसे में इस बार शुभमन ऐसे बल्लेबाज बन सकते हैं जिनके साथ मिलकर टीम के बाकी सभी खिलाड़ी अपनी पारी आगे बढ़ा सकते हैं। ऐसे में उन्हें पारी की शुरुआत का भी अवसर मिल सकता है।

लाहिड़ी संयुक्त 128वें स्थान पर पहुंचे

कैलिफोर्निया। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी की सेफवे गोल्फ चैंपियनशिप में शुरुआत अच्छी नहीं रही। लाहिड़ी ने पहले दौर में दो ओवर 74 का कार्ड खेला और इसी के साथ ही वह संयुक्त 128वें स्थान पर पहुंच गये हैं। लाहिड़ी ने दो बर्डी बनाने के साथ ही दो बोगी और एक डबल बोगी भी की। अब उन्हें कट में जगह बनाने के लिये दूसरे दौर में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। वहीं इस बीच स्कॉटलैंड के रसेल नॉक्स ने नौ अंडर 63 का स्कोर बनाया और पीजीए टूर 2020-21 सत्र के इस पहले टूर्नामेंट में शुरुआती बढ़त हासिल की। वहीं अमेरिकी गोल्फर अक्षय भाटिया ने छह अंडर 66 का कार्ड खेला। अक्षय अभी संयुक्त 11वें स्थान पर है। वहीं एक अन्य अमेरिकी गोल्फर सहित थीगाला ने एक अंडर 71 का स्कोर बनाने के साथ ही संयुक्त 81 वां स्थान हासिल किया।

रिलायंस की लंबी छलांग, न्यूजीलैंड और कतर की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। मुकेश अंबानी के मालिकाना हक वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने लंबी छलांग लगाई है। आरआईएल देश की पहली ऐसी कपंनी बन गई है, जिसका मार्केट कैप 200 अरब डॉलर यानी करीब 14.60 लाख करोड़ रुपये हो गया है। गुरुवार को रिलायंस के मार्केट कैप ने अमेरिका की ड्रग्स बनाने वाली दिग्गज कंपनी पीफाइजर को भी पीछे छोड़ दिया। जर्मनी की सॉफ्टवेयर बनाने वाली कंपनी शेप और चीन की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी पिंगएन भी रिलायंस से पीछे रह गई हैं। अब ग्लोबल मार्केट कैप में रिलायंस की रैंकिंग 42 हो गई है, जो इसी साल मार्च में 102 थी। 23 मार्च से अब तक कंपनी के स्टॉक 164 फीसदी तक चढ़े हैं। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो इंफोकॉम के काम इस वक्त करीब 40 करोड़ ग्राहक हैं, जिसके चलते विशेषज्ञ मानते हैं कि टेलिकॉम इंडस्ट्री में रिलायंस की तगड़ी पकड़ है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ खुला

मुंबई। मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ खुला। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में ही तेजी आई है। सुबह सेंसेक्स बढ़त के साथ 38,856.17 जबकि निफ्टी हल्की गिरावट के साथ 11,447.80 अंक पर खुला। इसके कुछ देर बाद ही निफ्टी में तेजी आने लगी। कमजोर ग्लोबल संकेतों के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में हल्की बढ़त देखने को मिल रही है। सेंसेक्स में करीब 65 अंकों की बढ़त पर कारोबार हो रहा है जबकि मिड और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी देखी गयी है। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.45 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है।

एसबीआई रिपोर्ट- खुदरा मुद्रास्फीति अब दिसंबर के बाद ही चार फीसदी से नीचे आएगी

नई दिल्ली। खुदरा मुद्रास्फीति को लेकर देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने खुलासा किया है कि खुदरा मुद्रास्फीति अब दिसंबर के बाद ही चार प्रतिशत से नीचे आएगी। रपट के अनुसार इसमें इस समय आया उछाल कोविड के कारण आपूर्ति की कड़ियों के टूटने और सरकार की ओर से की गई भारी खरीद के चलते है। एसबीआई इकोरैप के ताजा संस्करण में कहा गया है कि अगस्त का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति का आंकड़ा सात प्रतिशत या उससे ऊपर बना रह सकता है। यह आंकड़ा सोमवार को आएगा। जुलाई में खुदरा मुद्रास्फीति 6.93 प्रतिशत रही जबकि पिछले साल जुलाई में यह आंकड़ा 3.15 प्रतिशत था। मुद्रास्फीति में यह तेजी खास कर अनाज, दाल-सब्जियों और मांस-मछली के दाम बढ़ने की वजह से है। एसबीआई की रपट में कहा गया है, 'हमें

लगता है कि मुद्रास्फीति का अगस्त का आंकड़ा सात प्रतिशत या उससे ऊपर रहेगा और यदि तुलनात्मक आधार का प्रभाव ही इसका प्राथमिक कारण है तो मुद्रास्फीति संभवतः दिसंबर या उसके बाद ही चार प्रतिशत से नीचे दिखेगी।' रपट में कहा गया है कि कोविड- 19 का संक्रमण अब ग्रामीण इलाकों में जिस तरह बढ रहा है उससे यह मानना कठिन है कि आपूर्ति की कड़ियां जल्दी फिर से सामान्य होंगी। रपट में कहा गया है कि इस स्थिति में मुद्रास्फीति बढ़ने का ही खतरा है। गौर तलब है कि भारतीय रिजर्व बैंक को मुद्रास्फीति को हद से हद दो प्रतिशत घट बढ़ के साथ चार प्रतिशत के आस पास रखने की जिम्मेदारी दी गयी है। रपट में यह भी कहा गया है कि मुद्रास्फीति के परिदृश्य को देखते हुए चालू वित्त वर्ष में नीतिगत ब्याज दर में और कमी की उम्मीद कम ही है। अगर की भी गयी तो यह ज्यादा से ज्यादा 0.25 प्रतिशत तक हो सकती है वह भी फरवरी की बैठक में। फरवरी में मौद्रिक नीति समिति के पास मुद्रास्फीति के जो आंकड़े होंगे वे केवल दिसंबर तक के होंगे।

स्मार्ट सिटी के डिजीटल म्यूजियम में सैलानी कर सकेगे स्थानीय संस्कृति, कला और वैभव के दर्शन-जयति सिंह

ग्वालियर। भारत सरकार के महत्वाकांक्षी मिशन स्मार्ट सिटी के तहत ग्वालियर स्मार्ट सिटी का डिजीटल संग्रहालय बनकर तैयार है। शहर की प्राचीन इमारत गोरखी स्थित स्काउट एवं गाइड भवन में यह आधुनिक संग्रहालय तैयार किया गया है। इस डिजीटल संग्रहालय में ग्वालियर के इतिहास और कला.संस्कृति सहित अन्य विधाओ को एक छत के नीचे देखा जा सकेगा। 3500 वर्गफीट एरिया में लगभग 7 करोड रुपये की लागत से डिजीटल संग्रहालय और प्लेनेटोरियम बनाया गया है। स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमति जयति सिंह ने जानकारी देते हुये बताया है कि ग्वालियर स्मार्ट सिटी द्वारा बनाया जा रहा संग्रहालय और तारामंडल परियोजना में संग्रहालय का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसका लोकार्पण मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में शनिवार को होगा। इस संग्रहालय में ग्वालियर की स्थापत्य शैली, वस्तु, परिधान, जीवनशैली, वाद्य यंत्र, आभूषण, हस्तशिल्प, सांस्कृतिक परंपरा, चित्रकारी सहित कई

विधाओ को आधुनिक तरीके से डिजिटली प्रदर्शित किया गया है। यहां पर आकर पर्यटक 16 गैलरियों में सजे ग्वालियर के इतिहास, यंत्र, आभूषण, हस्तशिल्प और अन्य जानकारी अत्याधुनिक आईटी उपकरणो का प्रयोग करके प्राप्त कर सकेगे। इस संग्रहालय में वर्चुअल रियलटी का समावेश भी किया गया है। जिसके द्वारा सैलानी ऐतिहासिक स्थल की वास्तविकता को महसूस कर सकेगे। श्रीमती सिंह ने बताया कि विभिन्न प्रमोशन और प्रतियोगिताओं के द्वारा स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन द्वारा स्थानीय कलाकारों को मौका दिया जा रहा है, ताकि वह इस संग्रहालय में अपनी.अपनी भागीदारी दे सकें। गौलतलब है कि इस भवन के पीछे के भाग में एक तारामंडल भी विकसित किया जा रहा है। इस केंद्र को ग्वालियर के पर्यटन मानचित्र में एक अहम बिंदु के रूप में माना जा रहा है। ग्वालियर संभाग व बुंदेलखंड क्षेत्र में यह अपनी तरह का पहला केंद्र होगा तथा स्कूल के छात्रों को शिक्षित करने में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा समयरेखा.ग्वालियर का इतिहास, स्थापत्य शैली, ग्वालियर के वस्तु तत्व, परिधान, जीवनशैली, अवकाश के खेल, वाद्य यंत्र, आभूषण, हस्तशिल्प, पाक.कला, भोजन व व्यंजन, सांस्कृतिक परम्परा, चित्रकारी, फ़ोटोग्राफ़ी, इमेजिनेरियम, तारा मंडल। इंटरएक्टिव टच वीडियो पैनल, बायोमेट्रिक डिवाइस, वीआर हेडसेट, सूचना प्रदर्शन मुद्रित पैनल, मीडिया कियोस्क, पैदल प्रदर्शन, मीडिया वाल, वर्चुअल मिरर, इंटरएक्टिव मीडिया वॉल, इंटरएक्टिव संगीत खेल।

आज निकले 208 पॉजिटिव 4 की मौत

ग्वालियर। जिले में कोरोना का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है ! शुक्रवार को कोरोना के 208 नए मामले सामने आए हैं! इसके बाद जिले में कोरोना संक्रमित मरीजों का आंकड़ा 7500 के करीब पहुंच गया है! वही पिछ्ले 24 घंटे में चार कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत हो चुकी है मृतकों में अशोक नन्नावले 70 साल निवासी ग्वालियर बदन सिंह सिकरवार 68 वर्ष निवासी गोवर्धन कॉलोनी राधेश्याम 70 वर्ष निवासी दाल बाजार श्री चंद्र दास 63 साल समाधिया कॉलोनी शामिल हैं! जिले में जहां कोरोना के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है वहीं मृतकों की संख्या में भी इजाफा होने से लोग भयभीत होने लगे हैं! कोरोना के मरीज बढ़ने के कारण अब शासकीय अस्पतालों में बनाए गए कोरोना हॉस्पिटलों में भी बेड फुल होते नजर आ रहे हैं ! यह देखकर जिला प्रशासन के भी अब हाथ पैर फूलने लगे हैं!

ग्वालियर के बड़े कारोबारी गिर्राज बंसल की युनिटों पर छापेमारी, पतंजलि नमक का अवैध स्टॉक मिला

ग्वालियर. जयपुर में एक्सपायर्ड ब्रांड का किराना और कॉस्मेटिक को नई पैकिंग में बेचने के कारोबार में फंसे गिर्राज बंसल और उनके बेटे केतने की ग्वालियर स्थित यूनिटों पर छापामार कार्रवाई की गई। कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह के निर्दश पर फूड सेफ्टी टीम दोपहर में गिर्राज बंसल की ट्रिपल आईटीएम संस्थान के सामने स्थित दोनों यूनिटों पर पहुंची। यहां पहले परमसुख एडिबल प्राइवेट लिमिटेड जहां सरसों का तेल स्मार्ट वाइफ ब्रांड नेम से निकाला जाता है यहां अलग-अलग टैंकरों और पैक माल से सरसों तेल के सैंपल लिए। पूरी यूनिट की जांच भी की गई। वहीं इससे ही सटकर बनी दूसरी यूनिट ओमश्री शुभलाभ एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड में किराना उत्पादों की जांच की गई जहां से अलग-अलग आइटम के सैंपल लिए गए। यहां 15 बोरे पतंजलि ब्रांड नमक का स्टॉक मिला जिसके बारे में मैनेजर व स्टाफ कोई जबाब नहीं दे सके। इसको लेकर फर्म को नोटिस जारी किया जाएगा।

डबरा में एयर कारगो हब स्थापित किया जायेगा : मुख्यमंत्री चौहान

डबरा में हुआ लगभग 167 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

ग्वालियर 11 सितम्बर 2020/ मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार डबरा क्षेत्र में एयर कारगो हब (माल वाहक विमानों का अड्डा) स्थापित करेगी, जिससे डबरा का नाम प्रदेश व देश में ही नहीं पूरी दुनिया के मानचित्र पर स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि हम सब मिल-जुलकर डबरा क्षेत्र में विकास का नया अध्याय लिखेंगे। अगले तीन साल के भीतर दतिया की तरह डबरा को भी विकास में अग्रणी बनायेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान शुक्रवार की शाम डबरा के स्टेडियम में आयोजित हुए विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर सौगातों का पिटारा खोलकर केन्द्रीय कृषि, पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर तथा राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ लगभग 167 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। साथ ही सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत हितग्राहियों को सहायता भी वितरित की। कार्यक्रम में गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी और उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि डबरा में आज विकास कार्यों की जो श्रृंखला शुरू हुई है वह थमेगी नहीं। साथ ही कहा कि यहाँ के बहुप्रतीक्षित लदेरा बांध का निर्माण भी किया जायेगा। उन्होंने कहा अगले तीन साल के भीतर सरकार डबरा सहित समूचे मध्यप्रदेश में कोई भी कच्चा मकान नहीं रहने देगी। सरकार सभी जरूरतमंदों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान बनाकर देगी। उन्होंने इस अवसर पर जानकारी दी कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 12 सितम्बर को लगभग पौने दो लाख जरूरतमंद लागों को ऑनलाइन कार्यक्रम के जरिए गृह प्रवेश करायेंगे। लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दोहराया कि प्रदेश सरकार हर गरीब को एक रूपए किलो की दर से खाद्यान्न मुहैया कराने के लिये कटिबद्ध है। इस कड़ी में 16 सितम्बर को अभियान बतौर गरीबों को पात्रता पर्चियाँ वितरित की जायेंगीं। उन्होंने जिला कलेक्टर को मंच पर बुलाकर कहा यह सुनिश्चित करें कि डबरा सहित पूरे जिले के भीतर कोई भी पात्र गरीब परिवार खाद्यान्न पर्ची मिलने से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार ने युवाओं को रोजगार मुहैया कराने के लिये कारगर कदम उठाए हैं। इस दिशा में सरकारी नौकरियों की भर्ती पर लगी रोक प्रदेश सरकार ने हटा दी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा प्रदेश सरकार किसानों के कल्याण के लिये पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। सरकार ने बंद पड़ी योजनायें किसानों व गरीबों के हित में फिर से शुरू कर दी हैं। उन्होंने जानकारी दी कि 18 सितम्बर को किसानों के खाते में करोड़ों रूपए की बीमा राशि पहुँचाई जायेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा सरकार फुटपाथ पर काम करने वाले किसी भी भाई को परेशान नहीं होने देगी। इसके लिये सरकार द्वारा प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना के तहत पथ विक्रेताओं को 10 - 10 हजार रूपए की मदद बिना ब्याज के दी जा रही है। केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि कोरोना संकट के बाबजूद मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान डबरा के लिये लगभग 167 करोड़ रूपए की सौगातें लेकर डबरा की धरती पर आए हैं। उन्होंने कहा मध्यप्रदेश में वर्ष 2003 में नई सरकार बनने के बाद प्रदेश में बिजली उत्पादन एवं सिंचाई सुविधा के विस्तार के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आया है। ग्वालियर ङ्ग चंबल अंचल सहित पूरे मध्यप्रदेश की तस्वीर बदली है। आगे आने वाले समय में मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि हम सब मिलजुलकर डबरा क्षेत्र के विकास की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा डबरा में एयर कारगो हब स्थापित करने की पहल इस क्षेत्र के विकास में नए आयाम स्थापित करेगी। साथ ही पूरी दुनिया में डबरा की पहचान कायम होगी। श्री सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सच्चे जनसेवक हैं। इसलिये मध्यप्रदेश का विकास तेजी के साथ हो रहा है। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने कहा कि नई सरकार बनते ही मध्यप्रदेश में 6 माह के भीतर ही मध्यप्रदेश का परिदृश्य बदल गया है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान पूरे प्रदेश को अपना घर व मंदिर मानते हैं। फलस्वरूप प्रदेश का तेजी से विकास हो रहा है। डॉ. मिश्र ने कहा कि मंत्री श्रीमती इमरती देवी के साथ मिलकर हम डबरा की तस्वीर बदलेंगे। गृह मंत्री डॉ. मिश्र ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान से डबरा में एयर कारगो हब स्थापित करने के लिये पहल करने का आग्रह किया। इसे मुख्यमंत्री ने सहर्ष स्वीकार कर लिया।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी ने कहा कि प्रदेश की नई सरकार से जुड़कर हम डबरा क्षेत्र के विकास के सपने को पूरा करने में सफल हो रहे हैं। श्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके बेहतर प्रबंधन की बदौलत अब विकास कार्यों के लिये धन की कमी नहीं रही है। डबरा को करोड़ों रूपए लागत के विकास कार्यों की सौगातें मिली हैं। मंत्री श्रीमती इमरती देवी ने कहा कि हम डबरा क्षेत्र के किसान, मजदूर एवं कारोबारियों सहित सभी जरूरतमंदों के हित में काम करके दिखायेंगे। संबल योजना के तहत हितग्राही श्री भारत सिंह माहोर ग्राम छोटी अकबई को 2 लाख रूपए एवं श्रीमती रेखा जाटव ग्राम अजयगढ़ को 4 लाख रूपए की हितलाभ राशि प्रदाय की गई। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत श्री प्रीतम प्रजापति ग्राम भैंसनारी को एक लाख 20 हजार, महिला एवं बाल विकास विभाग की लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत कु. प्रवीना/श्रीमती रोशनी/श्री सतीश नगर पालिका डबरा को एक लाख 20 हजार रूपए एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत श्रीमती आरती / श्री कृष्णकुमार नगर पालिका डबरा को 5 हजार रूपए, राजस्व विभाग के तहत श्रीमती पुष्पा देवी एवं श्रीमती मीरा बाथम को 4 ङ्ग 4 लाख, श्री राजेन्द्र एवं श्री रमेश को 2 ङ्ग 2 लाख तथा कृषि विभाग की योजनाओं के तहत श्री कल्याण ग्राम गजापुर को 40 हजार, श्री कलविंदर सिंह नगर पालिका डबरा को 25 हजार व श्री शिवनारायण ग्राम पंचायत मेहगांव को 8 लाख 81 हजार के हितलाभ सहित अन्य हितग्राहियों को सहायता वितरित की। बीओटी के तहत 19 किमी. लम्बाई में बना ग्वालियर झाँसी मार्ग से ग्राम घोंघा वाया बिलौआ सड़क मार्ग लागत 7652 लाख, मुख्यमंत्री नल जल योजना के तहत ग्राम जौरासी में 461 परिवारों को नल कनेक्शन लागत लगभग 110 लाख, ग्राम पंचायत वीरमढ़ाना में गवंड और रपटा निर्माण वीरमढ़ाना से गढ़ी की ओर लागत 34.48 लाख, ग्राम पंचायत गढ़ी में गवंड और रपटा निर्माण गढ़ी से बंजारा का पुरा लागत 34.38 लाख, ग्राम पंचायत लदेरा में गवंड और रपटा निर्माण लखनपुरा से कब्रिस्तान लागत 33.16 लाख, ग्राम पंचायत जौरासी में गौशाला निर्माण लागत 27.72 लाख, ग्राम पंचायत कुम्हर्रा में गौशाला निर्माण लागत 27.72 लाख, ग्राम पंचायत लखनौती में गौशाला निर्माण लागत 27.72 लाख, ग्राम पंचायत मेहगांव में गौशाला निर्माण लागत 27.72 लाख, ग्राम पंचायत मिलघन में सामुदायिक भवन निर्माण लागत 18 लाख, ग्राम पंचायत खडवई में सामुदायिक भवन निर्माण खजुरिहाई लागत 18 लाख, ग्राम पंचायत सिरसा में सामुदायिक भवन निर्माण लागत 18 लाख, ग्राम पंचायत जनकपुर में पंचायत भवन निर्माण लागत 14.48 लाख, ग्राम पंचायत बडेराबुजुर्ग में सीपी डब्ल्यू निर्माण शाला प्रांगण एवं पंचायत भवन परिसर लागत 10.90 लाख, ग्राम पंचायत धई में सीपीडब्ल्यू निर्माण प्रा.वि. धई लागत 10.90 लाख, ग्राम पंचायत जनकपुर चैकडेम निर्माण 10.86 लाख, शा. प्रा. वि. बुजुर्ग भवन लागत 10.23 लाख, ग्राम पंचायत झाडोली में सामुदायिक भवन निर्माण लागत 10 लाख, ग्राम पंचायत सिरसा में उचित मूल्य की दुकान निर्माण लागत 10 लाख, ग्राम पंचायत रजियावर में उचित मूल्य की दुकान निर्माण लागत 10 लाख, शा.प्र.वि. किटोरा भवन लागत 8.80 लाख, शा.प्र.वि. जंगीपुर भवन लागत 8.80 लाख, आंगनबाड़ी भवन निर्माण चौमो लागत 7.80 लाख, आंगनबाड़ी भवन निर्माण देवरा लागत 7.80 लाख, आंगनबाड़ी भवन निर्माण नुन्हारी लागत 7.80 लाख, आंगनबाड़ी भवन निर्माण सेकरा लागत 7.80 लाख, आंगनबाड़ी भवन पुट्टी लागत 7.80 लाख, आंगनबाड़ी भवन निर्माण गिजोर्रा लागत 7.80 लाख, आंगनबाड़ी भवन निर्माण किटोरा लागत 7.80 लाख, आंगनबाड़ी भवन निर्माण सिली (कुम्हरी) लागत 7.80 लाख, आंगनबाड़ी भवन निर्माण चीनोर भागीरथ का पुरा लागत 7.80 लाख, आंगनबाड़ी भवन निर्माण बिलौआ 6+7 लागत 7.80 लाख एवं आंगनबाड़ी भवन निर्माण बिलौआ 1+9 लागत 7.80 लाख के कार्यों का लोकार्पण शामिल हैं।

पत्रकार कॉलोनी लीजरेंट माफ करने के लिए पत्रकारों का धरना

ग्वालियर। मामा माणिकचंद वाजपेयी पत्रकार कॉलोनी के न्यायालय में लंबित विवादित अवधि के लीजरेंट को माफ करने की मांग को लेकरपत्रकारों का सांकेतिक धरना आज शुक्रवार को भी महात्मा गांधी के प्रतिमा स्थल फूलबाग पर जारी रहा। मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद भी लीजरेंट को लेकर कोई फैसला नहीं होने से पत्रकार नाराज हैं।ग्वालियर प्रेस क्लब एवं मामा माणिकचंद वाजपेयी पत्रकार कॉलोनी के बेनर तले अपरान्ह तीन बजे धरना प्रारंभ हुआ। पत्रकारों का कहना था कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पत्रकार एक सरकारी एजेंसी ग्वालियर विकास प्राधिकरण का शिकार हुए हैं। पत्रकार कॉलोनी की जमीन को लेकर 12 साल से लंबित मामले में हाईकोर्ट से स्थगन आदेश मिलने के बाद यहां पत्रकार मकान बनाना चाहते हैं लेकिन प्राधिकरण द्वारा विवादित अवधि का लीजरेंट मांगा जा रहा है जो कि गलत है। अपरान्ह तीन बजे से पांच बजे तक चले धरने में सभी अखबारों के पत्रकार उपस्थित रहें। इस अवसर पर

पत्रकारों ने कहा कि प्रदेश सरकार सभी के लिए कोई न कोई घोषणा कर रही है, लेकिन पत्रकार जो कि पत्रकार कॉलोनी में सरकारी एजेंसी की धोखाधडी का शिकार हुए हैं उनकी समस्या को नहीं सुना जा रहा है। पत्रकारों का कहना था कि अधिकांश पत्रकारों ने यहां वहां बस चुकी कॉलोनियों में मिल रहे सस्ते प्लॉट को छोडकर पत्रकार कॉलोनी में महंगी दर पर इसलिए प्लॉट लिए थे क्योंकि यह सरकारी एजेंसी है। लेकिन पत्रकार तब सदमें में आ गए जब उन्हें पता चला कि इस सरकारी जमीन पर भूमाफिया और अधिकारियों की मिलीभगत के चलते जमीन की रजिस्ट्री होने से पहले ही भूमाफिया के नाम डिक्री हो चुकी है। इसके बाद पत्रकारों ने इस मामले में दस्तावेज जुटाकर पेश किए और न्यायालय का आदेश आने के बाद तत्कालीन कलेक्टर भरत यादव को एक अभ्यावेदन दिया। जिस पर उन्होंने इस जमीन को लेकर विस्तृत आदेश देते हुए इसे जीडीए की जमीन माना और इस मामले में भूमाफिया द्वारा खडे किए गए आदिवासी राधेलाल के दावे को खारिज कर दिया। पहली बार एक अच्छा आदेश पत्रकारों के पक्ष में आया था, वे आगे कार्रवाई करते इससे पहले उनका स्थानांतरण कर दिया गया। अब यह मामला हाईकोर्ट में है। पत्रकारों के प्रयास के कारण ही इस मामले में राधेलाल आदिवासी और उसके मुख्त्यारआम के खिलाफ धोखाधडी का मामला दर्ज किया गया। लेकिन पुलिस ने आज तक राधेलाल को गिरफ्तार नहीं किया। इसके बाद बैठक कर अगली रणनीति तय की जाएगी। धरने में ग्वालियर प्रेस क्लब अध्यक्ष राजेश शर्मा , वरिष्ठ पत्रकार राकेश अचल, राजेन्द्र तलेगांवकर,सुरेंद्र माथुर , दिनेश राव , चन्द्रवेश पांडे, जोगेन्द्र सेन, बृजमोहन शर्मा, गोपाल त्यागी, अशोक पाल, अजय मिश्रा,चन्द्रेश गर्ग , जयदीप सिकरवार, रवि उपाध्याय, रवि यादव, मचल सिंह, मुकेश बाथम, सचिन जेन सहित अनेक पत्रकार शामिल थे। पत्रकारों ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से पत्रकारों की इस मांग के अलावा कोरोना काल मे पत्रकारो से ली जाने वाली बीमा राशि शून्य घोषित करने की भी मांग की है।

चक्कर खाकर गिरा युवक और हो गई मौत

ग्वालियर। शहर के इंदरगंज थाना क्षेत्र में स्थित ऊंट पुल के पास एक युवक को अचानक चक्कर आया और वह नीचे गिर गया इसके तुरंत बाद उसकी मौत हो गई पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है! जानकारी के अनुसार इंदरगंज थाना क्षेत्र में ऊंट पुल के पास एक युवक जा रहा था अचानक वह सड़क किनारे चक्कर खाकर गिर गया और उसकी मौत हो गई घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर आ गई और मृतक के शव को कब्जे में लिया मृतक की शिनाख्त रामबाग कॉलोनी निवासी राजू के रूप में हुई जो प्राइवेट नौकरी करता था और नौकरी पर जा रहा था पुलिस ने शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव

ग्वालियर। डबरा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव मिला है मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है जीआरपी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है! जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह जीआरपी को सूचना मिली कि डबरा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव पड़ा है सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर आ गई और घटनास्थल से युवक का क्षत-विक्षत शव कब्जे में लिया मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है! जीआरपी ने सबको पीएम के लिए भेज मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है!

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

पुष्पांजली टुडे

क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक

डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु

नि:शुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रंद्धाजलि शोक संदेश उठावनी

संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

प्रतिभा हम निखारेंगे

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी लेख कविताओं को हम देंगे जगह, आपके अंदर की प्रतिभाओं को हम उभरेंगे। तो देर किस बात की अभी हमे भेंजे अपनी कविता,लेख,कहानी,या फिर देख की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार आप हमें व्हाट्सएप या मेल कर सकते है।

हमारा उद्देश्य - भारत को में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकलना।

पुष्पांजली टुडे

E-mail - pushpanjalitoday@gmail.com
Whatsapp :- 8269307478,7999246560,9691270207

नोट : मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो और नाम/पता/व्हाट्सएप अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478